हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 मध्यक्रम में विस्फोटक बल्लेबाजों का होना | सम्पादकीय | दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य और शिक्षा | अगले साल ऑप्टिमस रोबोट बेचना शुरू कर | 5

वर्ष 21 ● अंक 365 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | मुरैना, शनिवार 27 अप्रैल 2024 | email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

कांग्रेस को जनहित के मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं, परिवार का भला चाहती है : मोदी

आर.एन.एस.

मालदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एक बार फिर मंगलसूत्र और विरासत टैक्स पर बयान दिया। पीएम ने कहा कि इंडिया गठबंधन महिलाओं, आदिवासियों और गरीबों के खिलाफ खतरनाक कानून लाना चाहता है।

कांग्रेसियों ने महिलाओं का मंगलसूत्र, आदिवासियों के गहने, हर किसी की प्रॉपर्टी जांच कराने का ऐलान किया है। इसके लिए कांग्रेस के शहजादे विदेश से एक्स-रे मशीन लाए हैं। वे पूरे देश में एक्स-रे करेंगे। कांग्रेस का इरादा सभी का पैसा, सोना-चांदी, जमीन कब्जा करने का है। उसका एक हिस्सा ये लोग अपने वोट बैंक को दे

देंगे। ये कांग्रेस ने घोषणा की है, लेकिन टीएमसी वाले उसके खिलाफ नहीं बोलते। पीएम ने कहा कि टीएमसी और कांग्रेस में तुष्टीकरण का कॉम्पिटिशन चल रहा है। टीएमसी सरकार बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों को लाकर बसाने का काम करती है। इन घुसपैठियों को आपकी जमीन और खेत पर कब्जा करवाती है और कांग्रेस आपकी संपत्ति ऐसे वोटबैंक में बांटने की बात कर रही है। टीएमसी के राज में बंगाल में केवल हजारों करोड़ों के स्कैम चलते हैं। घोटाले टीएमसी करती है और भुगतान बंगाल की जनता को करना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल के 50 लाख से ज्यादा किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि के 8 हजार करोड़ रुपए सीधे भेजे गए हैं। लेकिन टीएमसी सरकार को देखिए, वो आपको लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मैं केंद्र से बंगाल के विकास के लिए, यहां की सरकार को जो पैसा भेजता हूं, वो टीएमसी के नेता, मंत्री और तोलाबाज मिलकर खा जाते हैं।

अमित शाह ने कहा- दिग्विजय की राजनीति से परमानेंट विदाई करो

गुजरात की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी पशुपालकों को देंगे बोनस : डॉ. मोहन यादव

घमंडियां गठबंधन सिर्फ ठगबंधन के सिवाय कुछ नहीं : ज्योतिरादित्य सिंधिया

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी द्वारा मध्यप्रदेश के गुना और राजगढ़ में आयोजित विशाल जनसभाओं में दिए गए उद्बोधन के मुख्य बिंदु

गुना/राजगढ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह जी ने आज शुक्रवार को मध्यप्रदेश के गुना और राजगढ़ में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में समान नागरिक संहिता के प्रति भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कांग्रेस द्वारा एक वर्ग विशेष के तुष्टिकरण की नीति की कड़ी निंदा की। इन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री मोहन यादव, निवर्तमान गुना सांसद केपी यादव, गुना लोकसभा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया, राजगढ़ लोकसभा प्रत्याशी रोडमल नागर सहित अन्य पदाधिकारीगण मंच पर उपस्थित रहे।

शाह ने कहा कि यदि जनसंघ और भाजपा की नींव के लिए श्रद्धेय राजमाता ने बलिदान न दिया होता तो वर्तमान की भाजपा की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। हमारे प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया और रोडमल नागर को दिया गया एक-एक वोट आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएगा। जनता जब अपने सांसद प्रत्याशी को वोट करती है तो पार्टी से अपने सांसद को आगे बढ़ाने की उम्मीद रखती है, लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने तो गुना को एक बना बनाया मंत्री प्रत्याशी के रूप में दे दिया है, इसलिए ये आप की जिम्मेदारी है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को प्रचंड बहुतमत से विजयी बनाए। निवर्तमान सांसद केपी यादव ने गुना क्षेत्र की बहुत सेवा की है इसलिए केपी यादव की चिंता पार्टी पर छोड़ दीजिए, केपी यादव के भविष्य और उन्हें आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी की है। गुना की जनता को केपी यादव और ज्योतिरादित्य सिंधिया, दोनों नेता मिलेंगे। यह चुनाव देश को तीसरे नंबर का अर्थतंत्र, 3 करोड़ माताओं बहनों को लखपति दीदी, लोगों के घरों पर सोलर पैनल लगाकर उन्हें बिजली से मुक्ति दिलाने और पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ नए घर बनाने का चुनाव है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे सवाल करते हैं कि धारा 370 का मध्यप्रदेश और राजस्थान की जनता से क्या लेना देना है? छत्तीसगढ़ के लोग कश्मीर के लिए जान देने को तैयार हैं। कांग्रेस सरकार ने तुष्टीकरण के लिए धारा 370 को बनाए रखा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 5 अगस्त 2019 को धारा 370 को समाप्त करके कश्मीर को सदैव के लिए भारत का अभिन्न अंग बना दिया है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का कहना था कि धारा 370 के हटने से कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी लेकिन पिछले 5 वर्षों में खून की नदियां छोड़िए, किसी में कंकर मारने की भी हिम्मत नहीं हुई है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त किया है। पूर्व के कांग्रेस शासन में आए दिन पाकिस्तान से आए आतंकी भारत में बम धमाके करते थे और कांग्रेस सरकार चुप चाप बैठी रहती थी। भाजपा सरकार में पाकिस्तान से आए आतंकियों ने पुलवामा और उरी में हलमा करने की गलती की तो 10 दिनों के भीतर भारतीय सेना ने पाकिस्तान के घर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक और एयरस्ट्राइक कर आतंकियों का सफाया कर दिया। कांग्रेस चार पीढ़ियों तक गरीबी हटाने की बात करती रही लेकिन गरीबी नहीं हटा सकी।

शेष पृष्ठ 5 पर.....

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 सीटों पर हुआ मतदान

त्रिपुरा में सर्वाधिक उप्र में सबसे कम मतदान

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए द्वितीय चरण में शुक्रवार 26 अप्रैल को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर वोटिंग हुई। त्रिपुरा में सबसे ज्यादा करीब 77.93% वोटिंग हुई। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश मे सबसे कम 53% के आसपास मतदान हुआ। 2019 के आम चुनावों में इन सीटों पर 70.05% मतदान हुआ था। वोटिंग के दौरान मणिपुर के उखरुल से एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कुछ संदिग्ध एक बूथ के अंदर घुस आए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र को हाईजैक किया गया। इससे पहले, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बूथ पर ड्यूटी

के दौरान एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मार ली। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बंगाल की दो लोकसभा सीटों बालूरघाट और रायगंज में सेंट्रल फोर्सेस महिलाओं को वोटिंग से रोकी। बालूरघाट में बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और तृणमूल वर्कर्स के बीच झड़प भी हुई।

सेकेंड फेज में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, 5 केंद्रीय मंत्री, 2 पूर्व सीएम और 3 फिल्मी सितारे मैदान में हैं। इसके अलावा राहुल गांधी, शशि थरूर और हेमा मालिनी की सीट पर भी वोटिंग हुई।

2019 में सेकेंड फेज की सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और एनडीए के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गई थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 1,202 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,098 पुरुष और 102 महिला उम्मीदवार हैं। दो प्रत्याशी थर्ड जेंडर से है। इससे पहले 19 अप्रैल को पहले फेज की 102 सीटों पर वोटिंग हुई थी। आज के बाद 5 फेज की वोटिंग 1 जून को खत्म होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे।

आज दिमनी क्षेत्र में आयेंगे विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं दिमनी सीट से विधायक नरेन्द्र सिंह तोमर आज 27 अप्रैल को मुरैना आएगें।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मीडिया प्रभारी नीरज सिंह भदौरिया ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर शनिवार की सुबह 11 बजे दिमनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम परीक्षा में पहुंचेंगे। वे यहां हिंदू नववर्ष समरसता मिलन समारोह में शामिल होंगे। इसी क्रम में विस अध्यक्ष श्री तोमर शनिवार की दोपहर 1 बजे ग्राम दतहरा, अपरान्ह 3 बजे खड़ियाहार और शाम 5 बजे सिहौनिया में हिंदू नववर्ष समरतसता मिलन समारोह में शिरकत करेंगे।

दरभंगा : शादी में सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के 6 की मौत

बारात में आतिशबाजी से रसोई तक पहुंची चिंगारी

आर.एन.एस.

दरभंगा। दरभंगा में शादी के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट होने से 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसा गुरुवार रात 11 बजे के बाद हुआ। गांव के लोगों ने बताया की छगन पासवान की बेटी की शादी थी। बारात को पड़ोसी रामचंद्र पासवान के आवासीय परिसर में ठहराया गया था। इस दौरान बारातियों ने जमकर आतिशबाजी की। पटाखों की चिंगारी से शामियाने में आग लग गई। पास में ही खाना बन रहा था। देखते ही देखते आग सिलेंडर तक जा पहुंची। सिलेंडर में आग लगते ही ब्लास्ट हो गया। हादसे के बाद दूल्हा-दुल्हन को पास के ही मंदिर में ले जाया गया। वहां दोनों की शादी हुई। इसी दौरान रामचंद्र पासवान के दरवाजे पर रखे डीजल के स्टॉक में भी आग लग गई। इसमें रामचंद्र पासवान के परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे में रामचंद्र पासवान के बेटे, बहू, बेटी, 2 नाती, 1 नतिनी ने दम तोड़ दिया। मामला अलीनगर प्रखंड के बहेड़ा थाना के अंटोर गांव का है। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने पटाखे जलाने से मना किया था। इसी दौरान किसी ने जले पटाखे पर लात मार दी। उससे निकली चिंगारी से पहले पास रखे फूंस में आग लग गई। देखते-देखते आग गोदाम में फैल गई। फिर कच्चे घर तक पहुंच गई। जिसके लिए बारात आई थी, शादी के बाद उसका पूरा परिवार घर छोड़ फरार है।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 8 मई तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट ने आप नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 8 मई 2024 तक बढ़ा दी। इस मामले की जांच ईडी कर रही है। पिछले हफ्ते, सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के लिए प्रचार करने के लिए लगाई गई अंतरिम जमानत याचिका वापस ले ली थी। न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने पर शुक्रवार को सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट की जज कावेरी बावेजा के सामने पेश किया गया।

सिंधिया परिवार ने हमेशा गुना व शिवपुरी के विकास के लिए कार्य किया है: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

केंद्रीय मंत्री और गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया शिवपुरी जिले के कोलारस में जनसभा को सम्बोधित किया

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री और गुना लोकसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को शिवपुरी जिले के कोलारस विधानसभा क्षेत्र के खतौरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र की जनता से उनके परिवार के पारिवारिक संबंध हैं। इस क्षेत्र से विकास और प्रगति के संबंध हैं, जिसके कारण वह लगातार इस क्षेत्र में विकास कार्यों पर जोर देते हैं। सिंधिया ने कहा कि मैंने पूर्व में क्षेत्र के सांसद बनकर सड़कों का जाल बिछाया, बिजली के लिए तार, खंभे और ट्रांसफार्मर लगवाए। अब श्रीमंत माधवराव सिंधिया वृहद सिंचाई परियोजना की स्वीकृति मिलने के बाद 6500 करोड़ रुपए की लागत से 6 नए बांध बनेंगे, जिससे मुरैना, शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, पोहरी, कोलारस, बमोरी आदि क्षेत्र के किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

क्षेत्र से हमारे राजनीतिक नहीं पारिवारिक संबंध

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि क्षेत्र की जनता के हर दुख की घड़ी में सिंधिया परिवार साथ खड़ा रहा है और आज भी खड़ा है। पिछले दिनों इस क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई और ओलावृष्टि का समाचार जैसे ही मुझे मिला मैंने तत्काल प्रशासन को 48 घंटे में मुआवजा राशि वितरित करने के लिए कहा। पहली बार ऐसा हुआ कि तत्काल संबंधित ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों में प्रशासकीय स्वीकृत पत्र वितरित किए गए और मुआवजा राशि किसानों को मिली। खतौरा से देहरदा चौराहा और अशोकनगर के लिए वर्ष 2002 तक सड़क का कोई नामो निशान नहीं था। चारों ओर गड्ढे ही गड्ढे हुआ करते थे और आज चारों ओर अच्छी सड़कों का जाल है। सिंधिया ने कहा कि इस क्षेत्र में पहले बिजली की व्यवस्था भी नहीं थी, बल्ब टिमटिमाते थे लेकिन अब क्षेत्र में चारों ओर प्रकाश हो रहा है।

भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्व गुरु भारत बनाने के संकल्प को लेकर कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को साकार करने के लिए उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने गुना-शिवपुरी की जनता भी संकल्प ले। हम सब मिलकर विकास और प्रगति के रास्ते पर उनके हाथों को मजबूत करें। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के कारण आज 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि कोई भी व्यक्ति भूख नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। मोदी की गारंटी ही पक्की गारंटी है जो कहा है उसे पूरा करते हैं। सिंधिया ने कहा कि कोरोना काल में खुद बीमार होते हुए भी लोगों की मदद के लिए आगे आया। सिंधिया ने सभा के दौरान कहा कि इस क्षेत्र की जनता से उनके हृदय के संबंध है।

सिंधिया ने कहा कि आज आयुष्मान योजना का लाभ 30 करोड़ से ज्यादा जनता को मिल रहा है। यह मोदी की गारंटी है कि लोगों को अस्वस्थ होने पर आयुष्मान कार्ड के माध्यम से 5 लाख रुपए का निःशुल्क इलाज का लाभ मिलता है।

वीवीपैट के ईवीएम से 100 फीसदी मिलान और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में डाले गए वोटों का वोटर-वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों के क्रॉस-वेरिफिकेशन की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा है कि ईवीएम पर संदेह जताते हुए याचिकाएं पहले भी सुप्रीम कोर्ट में दायर होती रही है. अब इस मुद्दे पर हमेशा के लिए विराम लग जाना चाहिए. आगे चलकर, जब तक ईवीएम के खिलाफ कोई पुख्ता सबूत न हो, मौजूदा व्यवस्था निरंतर सुधार के साथ लागू रहनी चाहिए. मतदान के लिए ईवीएम के बजाए बैलट पेपर या फिर कोई दूसरा पीछे ले जाने वाली व्यवस्था को अपनाना, (जो देशवासियों के हितो की सुरक्षा न कर सके) उससे बचा जाना चाहिए. हालांकि जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने भारत के चुनाव आयोग से इस बात की जांच करने को कहा कि क्या वीवीपैट पर्चियों पर पार्टी के चुनाव चिन्ह के अलावा कोई बारकोड हो सकता है, जिसे मशीन से गिना जा सके. अपने फैसले में जस्टिस खन्ना ने मामले में दो निर्देश पारित किए. सबसे पहले सभी सिंबल लोडिंग यूनिट्स (एसएलयू) को सिंबल लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने पर एक मई या उसके बाद सील कर दिया जाएगा और परिणाम घोषित होने के बाद कम से कम 45 दिनों तक स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा.

शीर्ष अदालत ने कहा, चुनाव चिन्ह लोडिंग यूनिट ले जाने वाले कंटेनरों को पोलिंग एजेंटों और उम्मीदवारों की उपस्थिति में सील किया जाना चाहिए, और उन्हें कम से कम 45 दिनों के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाएगा. कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपैट को मतगणना के परिणाम के बाद मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के इंजीनियर सत्यापित करेंगे.

दूसरे और तीसरे सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले उम्मीदवारों द्वारा किए गए लिखित अनुरोध पर परिणाम की घोषणा के बाद ईवीएम निर्माताओं के इंजीनियरों की एक टीम जले हुए मेमोरी सेमीकंट्रोलर की जांच करेगी. सभी उम्मीदवार या उनके प्रतिनिधि सत्यापन के समय उपस्थित रह सकते हैं. ऐसा परिणाम घोषित होने की तारीख से 7 दिनों की अवधि के भीतर किया जाना चाहिए. सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, वास्तविक लागत या खर्च चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचित किया जाएगा और उम्मीदवार इसका भुगतान करेंगे. सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि अगर ईवीएम में गड़बड़ी पाई गई तो पैसा वापस कर दिया जाएगा. इसमें कहा गया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी इंजीनियरों की टीम के परामर्श से माइक्रोकंट्रोलर की जली हुई मेमोरी को प्रमाणित करेंगे. न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने न्यायमूर्ति खन्ना द्वारा जारी निर्देशों से सहमति जताते हुए एक अलग राय दी. वीवीपीएटी को वोटिंग मशीनों के लिए एक स्वतंत्र सत्यापन प्रणाली माना जाता है, जो मतदाताओं को यह सत्यापित करने की अनुमति देती है कि उन्होंने अपना वोट सही ढंग से डाला है या नहीं।

सोपोर में दो आतंकी ढेर, दो जवान घायल

आर.एन.एस.

सोपोर। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार 26 अप्रैल को दो आतंकी मार गिराए। यहां सुरक्षाबलों ने गुरुवार को ऑपरेशन शुरू किया था। आर्तकियों से मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। इस दौरान एक नागरिक के कंधे में गोली लगी। उसे जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से उसे श्रीनगर रेफर कर दिया गया।मुठभेड़ अभी भी जारी है। नौपोरा इलाके में एक घर के अंदर आतंकियों के छिपे होने की सूचना थी। सुरक्षाबलों ने वहां घेराबंदी दी। आर्तकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं और वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। गुरुवार 25 अप्रैल को रात अंधेरा होने पर ऑपरेशन रोक दिया गया था। आज

सुबह फिर से गोलीबारी शुरू हुई, जिसमें दो आतंकी मारे गए।

मारे गए आर्तकियों की पहचान नहीं हुई है। वहां लश्कर के डिवीजनल कमांडर उस्मान और लश्कर के संगठन टीआरएफ के कमांडर बासित डार के फंसे होने की जानकारी थी। इससे पूर्व मंगलवार को बांदीपोरा के रेंजी अरागाम में आर्तकियों से मुठभेड़ में भी दो सैन्यकर्मी घायल हुए थे। पुलिस को गुरुवार दोपहर बाद पता चला कि स्वचालित हथियारों से लैस दो-तीन आतंकी सोपोर में किसी जगह अपने संपर्क सूत्र से मिलने आए हैं। ये आतंकी चुनाव के दौरान किसी वारदात को अंजाम देने का षड्यंत्र रच रहे हैं। शाम सात बजे के करीब जब सुरक्षाबल तलाशी लेते हुए आगे बढ़े तो मस्जिद से कुछ ही दूरी पर स्थित एक मकान में छिपे आर्तकियों ने उन पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया।

ड्यूरोप्लाई ने नये साल पर 'शुभारंभ' वेलकम किट से अपने डीलरों का स्वागत किया, जो अच्छी शुरूआत और तरक्की का प्रतीक है

- ड्यूरोप्लाई ने शुभारंभ किट और डीलर सर्टिफिकेट्स से देश के 1,050 से अधिक प्रतिष्ठित डीलरों का सम्मान किया
- शुभारंभ किट में पवित्र राम मंदिर की प्रतिकृति, रामचरित मानस और चरण पादुका है
- ड्यूरोप्लाई प्लाईवुड उद्योग में मूल्यों को बनाये रखने के लिये भगवान राम की शिक्षाओं से प्रेरणा लेती है
- प्रीमियम प्लाईवुड सुनिश्चित करने के लिये ड्यूरोप्लाई भगवान राम के सद्गुणों को लेकर प्रतिबद्ध है, ताकि ग्राहकों के घरों की आंतरिक-सज्जा पीढ़ियों तक चलती रहे

भारत की सबसे अनुभवी और प्रमुख प्लाईवुड कंपनियों में से एक, ड्यूरोप्लाई ने नये साल में अच्छी शुरूआत और तरक्की के प्रतीक 'शुभारंभ' वेलकम किट के साथ अपने डीलरों का स्वागत किया है। ड्यूरोप्लाई ने देश के 1,050 से ज्यादा प्रतिष्ठित डीलरों का सम्मान शुभारंभ किट और डीलर सर्टिफिकेट्स से किया है। शुभारंभ किट में पवित्र राम मंदिर की प्रतिकृति, रामचरित मानस और चरण पादुका थी।

ड्यूरोप्लाई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिलेश चितलांगिया ने कहा, ''भगवान राम का जीवन सत्यनिष्ठा, कर्मठता और समानुभूति जैसे मूल्यों का उदाहरण देता है। उसी तरह ड्यूरोप्लाई में हम भी भगवान राम की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हैं और अपने प्रिय ग्राहकों को प्रीमियम प्लाईवुड देने का प्रयास करते हैं। अपनी उत्पादन प्रक्रिया में हम सत्यनिष्ठा को अपनाते हैं और कर्मचारियों, ग्राहकों तथा पर्यावरण के

लिये समानुभूति दिखाते हैं। हमारे प्लाईवुड, ब्लॉकबोर्ड, डोर और लैमिनेट्स की श्रृंखला में मजबूती है, जो सुनिश्चित करती है कि हमारे प्रिय ग्राहकों के घरों की आंतरिक-सज्जा पीढ़ियों तक चलती रहे।''

उन्होंने आगे कहा, ''ड्यूरोप्लाई में हम हर दिन भगवान राम के कालजयी गुणों और धर्म के मार्ग पर चलने के लिये प्रतिबद्ध रहने का प्रयास करते हैं। इसीलिए हमने शुभारंभ किट की सामग्री को भगवान राम की शिक्षाओं और जीवन यात्रा के लिये अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के तौर पर चुना है।''

ड्यूरोप्लाई के प्रतिष्ठित डीलर भगवान राम के कालजयी मूल्यों और सद्गुणों को साझा करते हैं। इसीलिए उन्हें अपने 2024-25 डीलर सर्टिफिकेट्स के साथ शुभारंभ किट पाने की खुशी हुई।

पवित्र राम मंदिर की प्रतिकृति, रामचरित मानस और चरण पादुका में परंपरा के लिये ड्यूरोप्लाई की श्रद्धा साफतौर पर नजर आती है। कंपनी धर्म और सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों को बनाये रखने के लिये समर्पित है। जिस तरह भगवान राम की शिक्षाएं सत्यनिष्ठा और कर्मठता पर जोर देती हैं, ड्यूरोप्लाई भी अपने उत्पादों को समय की परीक्षा पर खरा उतरने के लिये बनाता है और सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ता और इंटीरियर्स लंबे समय के लिये बरकरार रखे जा सकें। यह भगवान राम के कालातीत ज्ञान के सार का प्रतीक है।

AFor More Informations – Please contact
PR24×7 || **Breakfastnews@PR24×7.com** || 7803893363

निजी स्कूलों द्वारा आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों से फीस प्रतिपूर्ति की शिकायत मिलने पर संस्था के विरूद्ध होगी अनुशासनात्मक कार्यवाही

अनूपपुर। निजी स्कूलों द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2019 (आरटीई) के तहत प्रवेशित बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति के तहत अभिभावकों से किसी भी प्रकार की फीस नही लिए जाने के संबंध में जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक ने जिले के अशासकीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व प्राचार्यों को निर्देशित किया है। जारी पत्र में कहा गया है कि किसी भी अभिभावक से फीस प्रतिपूर्ति के संबंध में अगर कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित संस्था के विरूद्ध एकतरफा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं संस्था प्रमुख की होगी।

राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की सेलिंग विधा के प्रतिभा चयन कार्यक्रम का आयोजन अनूपपुर में 01 मई को

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी भोपाल द्वारा वर्ष 2024-25 हेतु वाटर स्पोर्ट्स अकादमी की सेलिंग विधा का प्रतिभा चयन कार्यक्रम 22 अप्रैल 2024 से 23 मई 2024 तक प्रदेष के विभिन्न जिलों में आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत प्रतिभा चयन कार्यक्रम में वाटर स्पोर्ट्स चयन समिति द्वारा जिला खेल परिसर चचाई रोड अनूपपुर में 01 मई 2024 को प्रातः 9 बजे से प्रातः 11 बजे तक ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। प्रतिभा चयन कार्यक्रम में 8 से 12 वर्ष तक के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। उक्ताशय की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी मोहम्मद इरशाद मंसूरी ने बताया है कि जिले के खिलाड़ी वाटर स्पोर्ट्स सेलिंग हेतु निर्धारित तिथि अनुसार चयन स्थान पर आधारकार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मूल/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की छायाप्रति सहित जिला खेल परिसर चचाई रोड अनूपपुर में सम्मिलित हो सकते हैं। प्रतिभा चयन कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों को आने-जाने का किराया एवं आवास, भोजन व्यवस्था स्वयं करनी होगी। अधिक जानकारी हेतु जिला मुख्यालय में रामचन्द्र यादव मो.नं. 6265418507, विकासखंड स्तर पर पदस्थ ग्रामीण युवा समन्वयक दिनेश सिंह चंदेल जैतहरी मो.नं. 9685303796, मिथेलश सिंह नेताम कोतमा मो.नं. 6261617170 व खेलन प्रसाद कोल पुष्पराजगढ़ मो.नं. 6264043241 से सम्पर्क किया जा सकता है।

मांगलिक कार्यक्रम के भोज्य पदार्थों को गड्ढे खोदकर विनष्ट करने उपसंचालक पशु की अपील

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. ए.पी. पटेल ने कहा है कि वर्तमान समय में शादी-ब्याह एवं मांगलिक कार्यक्रम चल रहे हैं। कार्यक्रम उपरांत काफी मात्रा में अतिरिक्त भोजन बचने से आयोजकों द्वारा तेलयुक्त, चावल आदि भोज्य पदार्थ को खुले में फेंक दिया जाता है, जिसे आवारा एवं लावारिश पशुओं द्वारा खाने से उनमें फूड पॉयजनिंग एवं तीव्र गैस बनने से पशुओं की आसमयिक मृत्यु हो जाती है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने शादी-ब्याह एवं मांगलिक कार्यक्रम आयोजकों से अपील की है कि कार्यक्रम समापन पश्चात् बचे हुए अतिरिक्त भोज्य पदार्थ को गड्ढे खोदकर विनष्ट करना सुनिश्चित करें तथा पशुपालकों से आग्रह है कि अपने पशुओं को आवारा न छोडें एवं घर में बांध कर रखें, जिससे मूक पशुओं की आसमयिक मृत्यु से बचाव किया जा सके।

मतदान केंद्र के सौ मीटर के दायरे में मोबाइल फोन के उपयोग को लेकर निर्देश जारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर निर्देश जारी किये हैं। आयोग के निर्देशानुसार मतदान के दिन मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में केवल निर्वाचन कार्य हेतु नियुक्त किये गये शासकीय सेवक ही मोबाइल फोन के उपयोग हेतु अधिकृत होंगे।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं दल के अन्य सदस्य को मतदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान अपने मोबाइल फोन साइलेंट मोड़ में रखना होगा। वे केवल सेक्टर अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी एवं निर्वाचन प्रेक्षक से निर्वाचन सबंधी वार्तालाप अथवा अन्य अति आवश्यक परिस्थिति में मतदान केंद्र से बाहर निकलकर वार्तालाप के लिये मोबाईल फोन का उपयोग कर सकेंगे। बूथ लेवल ऑफिसर को वोटर असिस्टेंट बूथ पर तैनाती के दौरान ही अपने मोबाइल फोन के उपयोग की अनुमति होगी।

विक्रम भट्ट सर और महेश भट्ट सर के साथ काम करने के बाद मुझे संगीत और लय की समझ आई: वर्धन पुरी

ये साली आशिकी, आसिक और इस साल रिलीज हुई 'दशमी' में अपने उल्लेखनीय और प्रभावशाली अभिनय के लिए एक अलग पहचान बनाने वाले वर्धन पुरी, अपने आगामी प्रोजेक्ट विक्रम भट्ट और महेश भट्ट की 'ब्लडी इश्क' को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इसमें बालिका वधू फेम अविका गौर उनके साथ अहम भूमिका में नज़र आ रही हैं।

युवा होनहार अभिनेता ने फिल्म और इससे मिले यूनिक म्यूजिक के एक्सपीरियंस को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, 'भट्ट साहब और विक्रम भट्ट सर संगीत में अपनी जबरदस्त रुचि के लिए जाने जाते हैं। मैं उनके सभी एल्बमों और गानों का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं, खासकर महान केके सर द्वारा गाए गए गानों का। दरअसल, उनकी सभी फिल्मों में संगीत एक अहम भूमिका निभाता है। 'ब्लडी इश्क' के साथ, मैंने उनकी संगीत महारत का प्रत्यक्ष अनुभव किया है

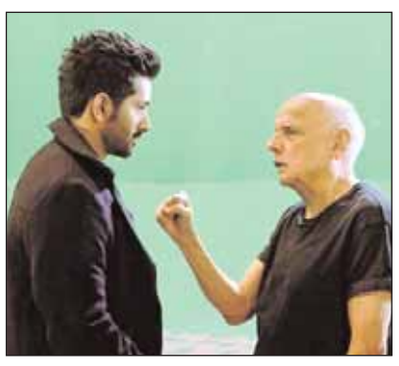

और यह एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है।'

वर्धन कहते हैं, 'भट्ट साहब को म्यूजिक की बहुत ही गहरी समझ है। इसलिए, इन दो (विक्रम और महेश भट्ट सर) प्रतिभाओं के साथ काम करने के बाद संगीत और मूविंग पिक्चर्स के साथ इस बारे में मेरी समझ काफी हद तक इम्प्रूव हो चुकी है।'

वे आगे कहते हैं कि ''('ब्लडी इश्क' के) कुछ गाने हैं जिनका मैं पहले से ही दीवाना हूं जिसे मैं दर्शकों के साथ साझा करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ। विक्रम सर को न केवल म्यूजिक बल्कि रीदम का भी जबरदस्त सेन्स है, इतना ही नहीं उन्हें संवादों को व्यक्त करने के लय की भी बेहतरीन जानकारी है। जिस तरह से वे म्यूजिक पीसेज के आधार पर अपने सीन्स को एडिट करते हैं वह बहुत ही शानदार है।'

'ब्लडी इश्क' के अलावा, वर्धन के लिए यह साल बहुत ही शानदार रहने वाला है, क्योंकि वे इस साल कई प्रोजेक्ट्स में नज़र आ सकते हैं। इनमें जियो स्टूडियोज के लिए कुणाल कोहली द्वारा निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' भी शामिल है।

बिना किसी प्रलोभन के मतदान करें

साँप सीढ़ी के खेल द्वारा एनएसएस स्वंय सेवकों को बताया मतदान का महत्व

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। चुनाव का पर्व लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक लोग मतदान का प्रयोग कर सकें, जिससे मतदान का प्रतिशत बढ़े। माधव महाविद्यालय एन.एस.एस अनूठी पहल के द्वारा साँप सीढ़ी के खेल से छात्र/छात्राओं को मतदान का महत्व समझाया गय। निर्भीक एवं सही मतदान के लिये मतदाता को जागरूक होना पड़ेगा, क्योंकि हम यदि किसी प्रलोभन में आ जाते हैं जिससे सशक्त राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन नहीं कर पाते हैं। मतदाता को जागरूक करने के लिये राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय के युवा अनूठे प्रयोगों द्वारा शत-प्रतिशत मतदान कराने के लिये लोगों को जागरूक कर रहे हैं। मतदान के दिन हम अपने अमूल्य वोट को सही प्रकार से प्रयोग कर साँप-सीढ़ी के खेल की तरह सीढ़ी पर चढ़ने का ही कार्य करें न कि साँप के मुख पर आकर नीचे आने का। मतदान में प्रलोभन रोकने के लिये साँप-सीढ़ी के खेल द्वारा विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय रस्तोगी, माधव

महाविद्यालय, जिला संगठक रा.से.यो ग्वालियर डॉ. मनोज अवस्थी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय उपस्थित थे। डॉ. अवस्थी ने बताया कि बचपन से हम साँप-सीढ़ी का खेल खेलते हैं। यदि हम सीढ़ी पर आ जाते हैं तो हम काफी अंक ऊपर चले जाते हैं, परन्तु यदि साँप के मुख पर आ जाते हैं तो हम काफी नीचे आ जाते हैं। इसलिये हमें किसी भी प्रलोभन में आकर मत का प्रयोग नहीं करना चाहिये जिससे हम अपने आपको कभी माफ न कर पायें। यह कार्यक्रम डॉ. मनोज अवस्थी के नेतृत्व में किया गया। डॉ. रस्तोगी ने बताया कि अपने अमूल्य मत का उपयोग हम सोच-समझकर आवश्यक रूप से करें क्योंकि मतदान हमारा प्रथम अधिकार है। जिसे हम सबको मिलकर कर्तव्यनिष्ठा के साथ करना चाहिये क्योंकि जिन जन प्रतिनिधियों को चुनकर भेज रहे हैं वह हमारे देश के विकास में अहम योगदान दे सके।

कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. कौशलेन्द्र अवस्थी, प्रो. प्रेक्षा नाईक, डॉ. चंचल शिवहरे, डॉ. दीप्ति नांरग, डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. दीपक शिंदे, वरिष्ठ स्वयंसेवक आशुतोष पालिवाल, दीक्षा पाल, नकुल शर्मा, हेमन्त अग्रवाल, जतिन प्रजापति, सक्षम सोनी, जीतेन्द्र रजक आदि लोग उपस्थित थे।

सुपरस्टार सिंगर 3 पर, नेहा कक्कड़ ने प्रतियोगी क्षितिज सक्सेना की तारीफ करते हुए कहा, 'आपकी सिंगिंग आत्मा को गहराई से छूती है'

इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के होमग्रोन किड्स सिंगिंग रियलिटी शो, 'सुपरस्टार सिंगर 3' के दर्शकों को दिल छू लेने वाले संगीत, पुरानी यादों और बहुत कुछ से भरा मनोरंजक एपिसोड देखने को मिलेगा! यह शो प्रसिद्ध म्यूज़िक डायरेक्टर्स - नदीम-श्रवण की उपलब्धियों को सेलिब्रेट करेगा, जिन्होंने 1990 के दशक में चार्ट पर राज करने वाली यादगार धुनें बनाई हैं। 'नदीम-श्रवण स्पेशल' में, प्रतियोगी इस शानदार जोड़ी को सम्मानित करते हुए उनके कुछ सदाबहार क्लासिक्स का जादू बिखेरेंगे, वह भी अभिजीत भट्टाचार्य और अनुराधा पौडवाल की उपस्थिति में, जिन्होंने नदीम-श्रवण के कई गीतों को अपनी आवाज़ दी है। तो, कुछ मज़ेदार बातों और बहुमूल्य यादों के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि अभिजीत और अनुराधा अपने अनुभव साझा करेंगे, और आपको नदीम-श्रवण के म्यूज़िक की जादुई दुनिया में ले जाएंगे।

सभी दिल जीतने वाले परफॉर्मेंस के बीच, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के बेहद प्रतिभाशाली 13 वर्षीय क्षितिज सक्सेना, अपनी कैप्टन सायली कांबले के साथ, फिल्म 'आशिकी' से 'नज़र के सामने' और 'धीरे-धीरे' गाने के अपने संस्करण से सभी को हैरान करने के लिए तैयार हैं। क्षितिज के मनमोहक प्रदर्शन को सभी कप्तानों, सुपर जज नेहा कक्कड़ और खास मेहमानों - अभिजीत भट्टाचार्य और अनुराधा पौडवाल से तारीफें मिलेंगी। क्षितिज के परफॉर्मेंस से हैरान अनुराधा पौडवाल ने कहा, 'क्या शानदार परफॉर्मेंस है, वाकई सराहनीय। लय सटीक थी, और यह बहुत खुशी से गूंज रही थी! मैं आप में से प्रत्येक के लिए वाकई रोमांचित हूं। हमारे खूबसूरत देश के हर कोने से ऐसी

प्रतिभाओं को उभरते हुए देखकर मेरा दिल खुशी से भर जाता है। मैंने अपने कार्यक्रमों के लिए पीलीभीत और बरेली जैसी जगहों का सफर किया है, और आप जैसी प्रतिभाओं को देखकर मुझे शो की वाकई सराहना करनी होगी जिन्होंने देश भर से ऐसे बहुमूल्य रत्नों को खोजा है। आपका सिंगिंग असाधारण थी, और इसने मेरे दिल को खुशियों से भर दिया। ऐसे ही बेहतरीन काम करते रहिये!' इस परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध होकर, सुपर जज नेहा कक्कड़ ने कहा, 'मास्टर सक्सेना, आपका सिंगिंग आत्मा को गहराई से छूती है। आप हर लाइन और धुन में अपना पूरा दिल डाल देते हैं। यहां तक कि दूसरे गाने को भी बेहद खूबसूरती से गाया गया, और आप महान कुमार सानू दा द्वारा सेट किए गए मानकों पर खरा उतरें, जिनकी आवाज़ वास्तव में अनोखी और यादगार है। ऐसे गानों को परफॉर्म करने के मामले में वह आइकन हैं। मुझे लगता है कि इन खूबसूरत धुनों पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए, आपका एक और रेंडिशन होना चाहिए। ईश्वर पर आपकी कृपा बनी रहे।'

सुपरस्टार सिंगर 3 देखें, हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर!

भांगड़ा से सेमी क्लासिकल तक: सोनी सब के कलाकारों ने वर्ल्ड डांस डे पर कही ये बातें

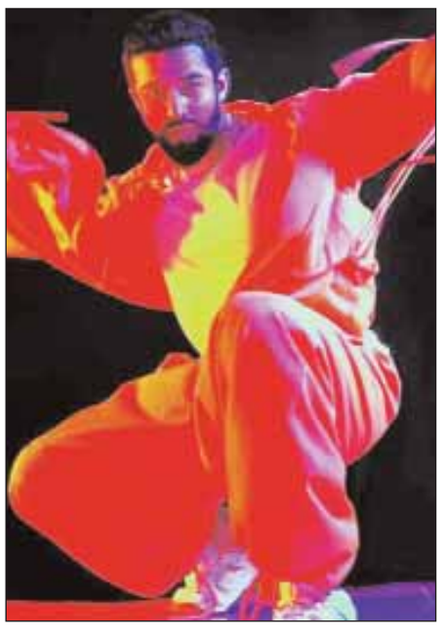

वर्ल्ड डांस डे, जिसे इंटरनेशनल डांस डे भी कहा जाता है, हर साल 29 अप्रैल को दुनिया भर में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य कला के रूप में डांस की सुंदरता और विविधता के साथ-साथ, इसके सांस्कृतिक महत्व का जश्न मनाना है। यह डांसर्स, कोरियोग्राफर्स और डांस प्रेमियों की उपलब्धियों को सम्मानित करने के मंच की तरह काम करता है, साथ ही डांस की विरासत के संरक्षण और प्रसार का समर्थन भी करता है। इस अवसर पर, सोनी सब के कलाकारों ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी और यादें साझा कीं, साथ ही उनके जीवन और करियर पर डांस के गहरे प्रभाव पर प्रकाश डाला।

सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा की भूमिका निभाने वाली करुणा पांडे ने कहा, 'डांस बचपन से ही मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। मेरे पिता का उनकी नौकरी में जहां भी ट्रांसफर होता था, वे हमेशा यह सुनिश्चित किया करते थे कि मेरे पास डांस प्रैक्टिस और म्यूज़िक सिस्टम के लिए जगह हो। डांस मुझे बेहद खुशी देता है, हर स्थिति में मुझे शांत रखता है और मेरे लिए यह आध्यात्मिकता का मार्ग है। मेरे पिता की पोस्टिंग के कारण मेरी लगातार बदलती जीवनशैली के बावजूद, मुझ पर हमेशा बॉलीवुड का गहरा प्रभाव रहा, जिसने डांस के प्रति मेरे प्यार को आकार दिया। हर किसी को डांस करना चाहिए, क्योंकि यह केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है, बल्कि भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम भी है। मुझे डांस पसंद है, और चुनौतियों की परवाह किए बिना, मैं डांस करने और नए डांस फॉर्म सीखने के हर अवसर का आनंद लेती हूं।'

सोनी सब के आंगन अपनों का में, पल्लवी शर्मा की भूमिका निभाने वाली आयुषी खुराना ने कहा, 'डांस से मुझे खुशी मिलती है। जब मैं छोटी थी, तब से ही डांस मेरी खुशी का निरंतर स्रोत रहा है। ट्रॉफी जीतने से लेकर स्कूल कार्यक्रमों में परफॉर्म करने तक, डांस हमेशा से मेरा साथी रहा है, जिसने मेरे जीवन को लय और महत्व से भर दिया है। भले ही, मैं कोरियोग्राफी नहीं कर सकी, लेकिन डांस के प्रति मेरा जुनून अटूट है। आज, वर्ल्ड डांस डेपर, मैं डांस से मिलने वाली असीम खुशियों और इससे सामने आने वाले सपनों का जश्न मना रही हूं।'

सोनी सब के आंगन अपनों का में, दीपिका की भूमिका निभाने वाली नीता शेट्टी ने कहा, 'मेरा मानना है कि डांस भावनाओं और एहसासों की परम अभिव्यक्ति है। जब मैं खुश होती हूं, तो पूरी ऊर्जा के साथ डांस करती हूं, माहौल को जीवंत होने देती हूं और उसका आनंद लेती हूं। और जब उदासी मुझ पर हावी हो जाती है, तो डांस मेरा सुकून बन जाता है और मुझे हर चीज से मुक्त कर देता है। मेरी कामना है कि हर कोई डांस के माध्यम से अपने भीतर की ऊर्जा और शक्ति का अनुभव करे, यह वाकई एक अविश्वसनीय एहसास है। सभी जोशीले डांसर्स को वर्ल्ड डांस डे की हार्दिक शुभकामनाएं!'

सोनी सब के वंशज में, दिग्विजय महाजन की भूमिका निभाने वाले माहिर पांधी ने कहा, 'भले ही मैं कोई प्रशिक्षित डांसर नहीं हूं, लेकिन पंजाबी होने के नाते, मैं भांगड़ा की धुन पर स्वाभाविक रूप से थिरकने लगता हूं। बचपन में, भांगड़ा मेरे लिए डांस से कहीं बढ़कर था, यह विरासत का उत्सव था, यह ऊर्जा का एक विस्फोट था। आज भी, जब मैं ढोल की थाप या कोई उत्साही पंजाबी गाना सुनता हूं, तो मैं खुद को रोक नहीं पाता। मेरे हाथ और पैर लगभग खुद ही थिरकने लगते हैं। इस डांस डे पर, मेरी कामना है कि आज और हमेशा आपके दिलों में डांस का आनंद भरा रहे और हम भांगड़ा की धुन पर नाचते रहें।'

सोनी सब पर देखते रहें पुष्पा इम्पॉसिबल, आंगन अपनों का और वंशज

पिता और दो पुत्रों ने शादी में की युवक की हत्या

- ममेरी बहन की शादी में शामिल होने आया था युवक, स्टेज के पीछे बुलाकर चाकूओं से गोदा

ग्वालियर। ममेरी बहन की शादी में काम कर रहे युवक का दो भाई और उनका पिता बातचीत के बहाने बुलाकर ले गए और चाकूओं से गोंदकर हत्या कर दी। घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के सिंधिया नगर महलगांव में गुरुवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब साढ़े बारह बजे के की है। घटना का पता चलते ही परिजन घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले गए और भर्ती कराया। जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। युवक की हत्या का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पहले हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था और अब हत्या का दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के सिंधिया नगर निवासी 21 वर्षीय सोनू पुत्र राजाराम आदिवासी पेशे से टैक्सी चालक है। बीते रोज उसके घर पर मामा की बेटी सपना की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। रात करीब साढ़े

बारह टीका का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच पास ही रहने वाले वीरू अपने बेटों अनिल उर्फ कलवा और सुनील के साथ आया और सोनू को बुलाकर स्टेज के पीछे ले गया। शादी में जब सोनू नहीं दिखाई दिया तो उसका साला अभिषेक उसे तलाशते हुए स्टेज के पीछे की तरफ गया तो उसके पैरों तले जमीन निकल गई, क्योंकि पीछे अनिल और वीरू सोनू को पकड़े हुए थे और सुनील चाकू से उस पर वार कर रहा था। उसने शोर मचाया तो आरोपी उसे पटककर वहां से भाग निकले। घटना का पता चलते ही अन्य रिश्तेदार वहां पर पहुंचे और घायल सोनू को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया।

घायल सोनू ने शुक्रवार की तड़के उपचार के दौरान दम तोड़ दिया और उसकी मौत का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसका शव पीएम हाउस पहुंचाकर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। हत्या के पीछे दो वजह पुलिस के सामने आई है। पहली वजह सोनू की बहन से सुनील का प्रेम प्रसंग चल रहा था और जब सोनू ने उसे टोका तो उसने सुसाइड कर ली थी और दूसरी वजह दो दिन पहले एक झगड़ा सोनू के रिश्तेदार कालू का अनिल व सुनील से हो रहा था और उसकी वह मारपीट कर रहे थे। सोनू ने उनका बीच-बचाव कराया था। मृतक सोनू के बारे में बताया गया है कि उसके 10 माह पहले ही शादी हुई थी। पुलिस हत्यारोपियों की तलाश कर रही है।

साइकिल सवार को बुलट चालक ने मारी टक्कर

- हादसे में एलएनआईपीई के कर्मचारी की मौत, हंगामा

ग्वालियर । साइकिल पर सवार होकर घर जा रहे एक एलएनआईपीई के कर्मचारी को बुलट सवार युवक ने टक्कर मार दी। हादसे में एलएनआईपीई के कर्मचारी की मौत हो गई। वहीं टक्कर मारने के बाद बुलट चालक डिवाइडर से जा टकराया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शुक्रवार को रेसकोर्स रोड पर घटा। हादसे के बाद गुस्साये एलएनआईपीई के कर्मचारियों ने चक्काजाम कर दिया। हादसे और चक्काजाम की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक व घायल को उठाकर अस्पताल भिजवाया। वहीं चक्काजाम कर रहे गुस्सायें को समझा बुझाकर सड़क से हटाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान के गेस्ट हाउस किचन में करने वाले 50 वर्षीय सरमन बाथम निवासी पुरानी रेशममील की सड़क हादसे में मौत हो गई। सरमन प्रतिदिन की तरह तरह अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद दोपहर साइकिल पर सवार होकर घर जा रहा था। अभी वह पूर्व केंद्रीय मंत्री व मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बंगले के सामने ही पहुंचा था कि तभी बुलेट क्रमांक एमपी07जेडबी-3540 के चालक ने तेजी व लापरवाही से बुलट चलाते हुए सरमन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सरमन सिर के बल गिरा और मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। साइकिल सवार कर्मचारी को टक्कर मारने के बाद बुलेट सवार भागने के प्रयास में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराया औरघायल हो गया। सरमन की मौत का पता चलते ही एलएनआईपीई के अन्य कर्मचारी और अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और हंगामा करते हुये चक्काजाम कर दिया। जाम और हंगामा की खबर लगते ही पुलिस अधिकारी बल के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को समझा बुझाकर उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर सड़क से हटाया और मृतक व घायल को उठाकर अस्पताल भिजवाया। इस मामले में सीएसपी अशोक सिंह जादौन ने बताया कि एक साइकिल सवार को बुलेट सवार द्वारा टक्कर मारी गई थी, जिसमें साइकिल सवार की मौके पर मौत हो गई है। साइकिल सवार को टक्कर मारने वाला बुलेट सवार भी घायल हो गया है। जिसे इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

बर्थडे पार्टी में बुलाकर दोस्त की पत्नी से किया दुष्कर्म

ग्वालियर। बर्थ डे का झांसा देकर एक युवक ने दोस्त की पत्नी को होटल में बुलाया और जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी ने पीडिता को बदनाम करने की धमकी दी। जिससे पीडिता चुप रही तो आरोपी उसे ब्लैकमेल कर शोषण करने लगा। घटना इंदरगंज थाना क्षेत्र के नई सड़क स्थित होटल डीआर की है। अब जब पीडिता युवक के शोषण से तंग आ गई तो आरोपी की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

शारदा विहार पानी की टंकी के पास महलगांव निवासी 39 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि उसके पति प्राइवेट जॉब करते है। उनके साथ ही मुकेश शाक्य निवासी गुढ़ा-गुढ़ी का नाका भी काम करता है। साथ काम करने के चलते मुकेश का उसके घर पर आना और जाना है। 28 जनवरी की सुबह उसके पति के काम पर जाने के बाद मुकेश उनके घर पहुंचा और बताया कि उसका आज जन्मदिन है और उसने उसका निमंत्रण करते हुए बताया कि पार्टी होटल डीआर में रखी है। वह भी पार्टी में शामिल होने के लिए पहुंची तो मुकेश उसे एक कमरे में ले गया और वहां पर जबरन उसके साथ गलत काम किया। वारदात के बाद मुकेश ने धमकी दी कि अगर उसने यह बात किसी को बताई तो वह जान से मार देगा और उसे बदनाम कर देगा। डर कर वह चुप रही तो आरोपी उसे बदनाम करने की धमकी देकर शोषण करने लगा। उसके द्वारा अनैतिक काम करने से वह परेशान हो गई तो बीते रोज उसने अपने पति को घटना की जानकारी दी और थाने जा पहुंची। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। टीआई इंदरगंज धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी थी। आरोपी अपने घर से फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

किशोर के साथ दोस्तों ने किया कुकृत्य

जनकगंज थाना क्षेत्र के उमराव साहब की दरगाह के पास रहने वाले 13 वर्षीय किशोर के साथ उसके घर के पास रहने वाले एक किशोर व युवक ने धमकाकर कुत्य किया और बदनाम करने की धमकी देकर उसका शोषण कर रहे थे। बीते रोज भी आरोपी उसे जबरन ले जाने लगे तो वह अपना हाथ छुड़ाकर भाग आया और परिजनों को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन किशोर को लेकर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

चोर गिरोह के तीन सदस्य पकड़े, दो चोरियां का हुआ खुलासा

ग्वालियर। मुरार थाना पुलिस को चेकिंग में खुरैरी से तीन शातिर चोर हाथ लगे हैं और उनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने दो चोरी की वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ के बाद तीन गैस सिलेण्डर व अन्य सामान बरामद किया हैं। पुलिस पकड़े गये चोरों से पूछताछ कर रही है।

मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि बीते रोज पुलिस की टीम खुरैरी में चेकिंग कर रही थी कि तभी एक युवक पैदल आता दिखाई दिया और शंका होने पर उससे पूछताछ की तो वह घबरा गया। पुलिस कर्मी उसे लेकर थाने आए और उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि वह तथा उसके साथी चोरी करते हैं। इसका पता चलते ही उसके फिंगरप्रिंट लिए तो उसके फिंगरप्रिंट दो घटनाओं में मैच हुए।

पुलिस पूछताछ में पकड़े गए चोर ने बताया कि उसका नाम भूपेंद्र पुत्र कैलाश जाट निवासी सुपावली बिजौली है और वह किराए का कमरा लेकर खुरैरी में रह रहा था। उसके साथ अनिल उर्फटीटू पुत्र सुरेंद्र राणा निवासी किला गेट और गिर्राज पुत्र दीवान सिंह पाल निवासी सुशेरा कोठी पुरानी छावनी वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस पूछताछ में चोरों ने बताया कि दिन में वह रैकी करता है और रात में साथियों के साथ वारदातों को अंजाम देता है। इसका पता चलते ही पुलिस ने उसके साथियों को भी दबोच लिया है। पुलिस ने पकड़े गए चोरों से पूछताछ के बाद चोरी का माल बरामद किया है। प्राथमिक पूछताछ के बाद पुलिस ने पकड़े गए चोरों से तीन गैस सिलेंडर, एक इंडक्शन, एक मिक्सर ,एक इनवर्टर जब्त किए गए हैं। पुलिस अफसरों का मानना है कि पकड़े गए चोरों से पूछताछ के बाद कुछ अन्य घटनाएं खुल सकती हैं। इसके लिए पुलिस अफसर उनसे पूछताछ में जुट गए हैं।

बाजार से आया और लगाई फांसी

ग्वालियर। बाजार से आया युवक अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद परिजन खाना खाने युवक को बुलाने कमरे में गये तो वह फंदे पर लटका मिला। युवक को फंदे पर लटका देखकर परिजनों ने तुरंत ही फंदा काटा और उसे नीचे उतारा। युवक की नब्ज टटोली तो उसकी सांस चल रही थी, तुरंत ही परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर लाइन दो निवासी 36 वर्षीय अकाश उर्फ जोनी पुत्र सुरेन्द्र शर्मा ने फांसी लगाकर जान दे दी। आकाश के बारे में बताया गया है कि पेशे से ड्राइवर है। बीती शाम वह बाजार से अपने घर पहुंचा और अपने कमरे में पहुंचा। कुछ देर बाद परिजन उसे खाना खाने बुलाने आए तो कमरे में आकाश फांसी के फंदे पर लटका था। तुरत ही परिजनों ने शोर मचाया और फंदे से उसे उतार कर उसकी नब्ज टटोली तो उसकी सांसे चल रही थी। तुरंत ही उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक परिजनों ने बताया कि पांच साल से मृतक की पत्नी अलग रह रही है और उसके कारण थोड़ा परेशान चल रहा था। फ्लिहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारी से लूट करने वाले लुटेरे छह घंटे में पकड़े

- एक नाबालिग सहित तीन लुटेरे गिरफ्तार

ग्वालियर। भतीजे को स्टेशन छोड़कर वापस लौट रहे मेला विकास प्राधिकरण के कर्मचारी से बाइक से आए तीन बदमाश मोबाइल लूट ले गए। घटना गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के महाराजा गेट के पास की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद वारदात को अंजाम देने वाले तीनों लुटेरों को पड़ाव और गोला का मंदिर थाना पुलिस ने दबोचकर उनसे लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है। पुलिस की गिरफ्त में आया एक लुटेरा नाबालिग है।

टीआई गोला का मंदिर राजकुमार शर्मा ने बताया कि कृष्णा नगर मोतीझील निवासी पचास वर्षीय करण सिंह राजपूत पुत्र ठाकुर दास राजपूत मेला विकास प्राधिकरण में जॉब करते है। बीते रोज वह अपने भतीजे को स्टेशन ड्राप करने आए थे और उसे ट्रेन में बिठाकर वापस लौट रहे थे। अभी वह माहराजा गेट के पास पहुंचे थे कि तभी बाइक से तीन बदमाशों ने उन्हें ओवर टेक कर रोका और उनका मोबाइल झपट ले गए। वारदात को अंजाम देकर जब लूटेरे भाग रहे थे तो पीडित ने उनकी बाइक का नंबर एमपी 07 जेडएच 7853 नोट कर लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बाइक का नंबर मिलते ही बाइक सवारों की तलाश शुरू की, वहीं एक टीम ने सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि बदमाश ग्वालियर थाने की तरफ भागे है। पुलिस ने बाइक सवारों का पीछा किया और इसी बीच पड़ाव थाना पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए लूटेरों की पहचान मानव शाक्य, संदीप बाथम और मिहिर बख्सी के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस पूछताछ में पता चला है कि मिहिर के मामा सेवा नगर में रहते है और मानव व संदीप वहां पर रहते है और इनके बीच दोस्ताना हो गया और तीनों ही नशा करते है और नशे की लत पूरा करने के लिए वारदात को अंजमा दिया था। अब पुलिस पता लगा रही है कि इसके अलावा तो कोई वारदात को इन्होंने अंजाम नहीं दिया है।

वित्तीय वर्ष का अग्रिम जलकर जमा कर छूट का लाभ उठायें उपभोक्ता

ग्वालियर । जल प्रदाय उपखण्ड क्रमांक-3 मुरार के अंतर्गत म.प्र. शासन के आदेशानुसार दी गयी आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के अग्रिम जलकर देयक में छूट का लाभ उठाते हुए 1065 उपभोक्ताओं द्वारा जलकर देयक जमा किया गया।

सहायक यंत्रीएपीएस भदौरिया ने बताया कि जलकर की वसूली प्रतिदिन की जा रही है। जो भी उपभोक्ता पूर्ण वित्तीय वर्ष 2024-25 का अग्रिम जलकर देयक जमा करेंगे उनको 180 रूपये की छूट प्रदान की जा रही है । म.प्र. शासन द्वारा दी गयी छूट का जल प्रदाय उपखण्ड क्रमांक 3 मुरार के उपभोक्ताओं द्वारा लाभ उठाते हुए 1065 लोगों द्वारा पूर्ण वित्तीय वर्ष का 1800 रुपये राशि के स्थान पर 1620 रूपये जलकर जमा कर लाभ प्राप्त किया जा रहा है। निगम आयुक्त हर्ष सिंह द्वारा सभी जलकर उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि समस्त नागरिक म.प्र. शासन द्वारा दी गयी छूट का लाभ उठाते हुये पूर्ण वित्तीय वर्ष 2024-25 का अग्रिम जलकर देयक दिनांक 30 अप्रैल 2024 तक जमा कर सकते है।

घर में चोरी करने घुसे चोरों ने ललकारने पर पड़ोसी ठेकेदार पर ठोंके फायर

- प्राचार्य के घर से चार लाख का माल पार

ग्वालियर। प्राचार्य के घर के ताले तोड़कर चोरी कर रहे चोरों को जब पड़ोसी ठेकेदार ने ललकारा और उन पर ईट फेंकी तो चोरों ने जबाव में फायरिंग कर दी। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के श्रीराम कॉलोनी में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे की है। चोर प्राचार्य के घर से साढ़े तीन तोला सोना और तीन किलो चांदी के जेवर के साथ ही अन्य सामान पार कर ले गए। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के श्रीराम कॉलोनी निवासी तेज सिंह हिण्डोलिया जति की लाइन प्राथमिक विधालय में हेड मास्टर है और उनकी पुत्र वधू मानसिक आरोग्य शाला में स्टॉफ नर्स है। बीते रोज उनके भाई के बेटे रवि की शादी का कार्यक्रम जति की लाइन में था तो पूरा परिवार घर पर ताले डाल कर पड़ोसिया को घर की देखभाल के लिए बोल गए थे। रात करीब ढ़ाई बजे पड़ोस में रहने वाले वचन सिंह राजपूत ने देखा कि तेज सिंह के घर पर कुछ हलचल हो रही है तो उन्होंने अपने सीसीटीवी चेक किए तो हेडमास्टर के घर में पांच के करीब चोर घुसते दिखे तो उन्होंने आसपास के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलते ही सभी लोग एकत्रित होने लगे तो वचन सिंह ने चोरों को ललकारा और छत से एक ईंट चोरों की तरफफेंकी। वचन सिंह द्वारा शोर मचाने और ईंट फेंकते ही चोर बाहर आए और वचन सिंह पर निशाना साधकर फायर ठोक दिया। गोली उनके पास से निकली और जो लोग जागकर घेराबंदी कर रहे थे वह जान बचाने के लिए अपने घरों में जा छिपे, मौका पाकर चोर भाग निकले। घटना का पता चलते ही पड़ोसियों ने तेज सिंह को सूचना दी। घटना का पता चलते ही तेज सिंह अपने घर पहुंचे और सामान चेक किया तो पता चला कि चोर उनके घर से साढ़े तीन तोला वजनी सोने के जेवर व तीन किलो सहित अन्य कीमती सामान पार कर ले गए। चोरी की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर इलाके में लगे सीसीटीव्ही कैमरे खंगालना शुरू कर दिये है जिससे संदेही चोरों का पता चल सकें।

उधारी के रुपए मांगे तो भाई ने तोड़ी बहन की उंगली

ग्वालियर। उधारी में दिए बीस हजार रुपए जब बहन ने भाई से मांगे तो भाई ने बहन की मारपीट कर उसकी उंगली तोड़ दी। घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र की है। घटना की शिकायत पीडिता ने पुलिस से की। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। झांसी रोड थाना पुलिस ने बताया कि मुरैना निवासी राबिया खान पत्नी संजय खान ने शिकायत की थी कि उसने अपने भाई जावेद खान को बीस हजार रुपए उधार दिए थे और वह उससे रुपए लेने के लिए उसके घर आई तो उसने उसकी मारपीट कर दी और अंगूली तोड़ दी। जिस पर पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज किया था और बीते रोज उसके एक्सरे रिपोर्ट आने पर मामला दर्ज कर लिया है।

इटावा से लापता बालक गोला का मंदिर में घूमता मिला

ग्वालियर। इटावा उत्तर प्रदेश से लापता हुये नाबालिग बालक को गोला का मंदिर क्षेत्र से पुलिस ने सकुशल बरामद किया है। बाद में पुलिस ने बालक को इटावा पुलिस की मौजूदगी में उसके भाई के सुपुर्द कर दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य) अखिलेश रैनवाल ने बताया कि गोला का मंदिर क्षेत्र में लावारिस हालत में घुमते हुआ एक नाबालिग बालक अभिषेक श्रीवास्तव निवासी डीडी नगर को मिला था। बाद में अभिषेक ने इस बालक पुलिस के सुपुर्द कर दिया। थाना प्रभारी गोला का मंदिर राजकुमार शर्मा ने बताया कि जब बालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम सुखवीर सिंह पुत्र अशोक सिंह निवासी उम्र 13 चकर नगर का रहने वाला बताया एवं बच्चे के पास से एक छोटा कीपैड मोबाइल भी मिला। इसके बाद पुलिस ने जब बच्चे के पिता से संपर्क साधा तो उनके द्वारा बताया गया कि बच्चे की गुम होने की सूचना थाना चकरनगर जिला इटावा (उ.प्र.) मे दर्ज कराई गई थी। इटावा के थाना चकरनगर पर बालक के संबंध में अप0क्र0-32/24 धारा 363 ता.हि. का अपराध पंजीबद्ध है। जिस पर से थाना गोला का मंदिर पुलिस द्वारा उक्त नाबालिग बालक को चकरनगर पुलिस एवं बालक के भाई पंकज को सकुशल सुपुर्द किया गया।

कटोराताल थीम रोड पर आज चुनावी राहगीरी

ग्वालियर । थीम रोड़ कटोराताल पर आज शनिवार 27 अप्रैल की सुबह अलग ही नजारा होगा। इस दिन यहाँ आयोजित होने जा रही ÷चुनावी राहगीरी÷ में संगीत, नृत्य, जुम्बा डांस, एडवेंचर गेम्स, रंगोली व पेंटिंग, मार्शल आर्ट, सामूहिक स्केटिंग, क्विज, ओपन माइक व बीएसएफके बैंड की प्रस्तुति सहित अन्य मनमोहक कार्यक्रम होंगे। साथ ही पारंपरिक स्वादिष्ट व लजीज व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केन्द्र होंगे। जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता) के तहत जारी मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में ÷चुनाव का रंग मतदाताओं के संग÷ थीम पर शनिवार की सुबह 7 बजे ÷चुनावी राहगीरी÷ शुरू होगी। इस आयोजन में शहरवासियों से बढ़चढ़कर हिस्सा लेने की अपील कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा की गई है।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर । शहर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत गंदगी फैलाने वालों से निगम अमले ने जुर्माना वसूला है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को वार्ड 63 ग्रामीण विधानसभा जलालपुर चौराहे पर दुकानदारों द्वारा सड़क पर गंदगी फैलाई जा रही थी जिस पर दुकानदारों से 1100 रूपये जुर्माना वसूला गया। इसके साथ ही वार्ड 51 में घर के बार सीएनडी वेस्ट फैलाने पर 1000 रूपये का जुर्माना वसूल किया गया।

निगम अमले ने शहर के मैरीज गार्डनों का किया निरीक्षण

ग्वालियर । निगमायुक्त हर्ष सिंह के निर्देश पर निगम का अमला शहर में स्थित व्यवसायिक भवन, होटल, मैरिज गार्डन, स्कूल, बहुमंजिला इमारतों में पहुंचकर फायर सेफ्टी को लेकर निरीक्षण कर रहा है और इस दौरान संस्थानों में कोई कमी पाई जाती है तो निगम का अमला तत्काल कार्यवाही कर रहा है। शुक्रवार को निगम के अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न मैरिज गार्डनों का अवलोकन कर सर्वे किया और कमी पाये जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की।

विभिन्न स्थानों से हटाया अवैध अतिक्रमण

ग्वालियर । निगम के मदाखलत अमले द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। जिसके तहत शुक्रवार को मंशापूर्ण हनुमान मंदिर सिटी सेंटर से सचिन तेंदुलकर मार्ग सहित मुख्य मार्गों एवं विभिन्न स्थानों पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेलों, स्टेण्ड बोर्डों, फुटपाथ एवं सड़क पर रखे सामान इत्यादि एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया तथा सामान जप्त कर मदाखलत कार्यालय हुरावली रोड डी.बी. सिटी के सामने स्थित कार्यालय पर रखवाया गया।

विशिष्ट आवासीय विद्यालयों की प्रवेश परीक्षा कल

ग्वालियर । जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित विशिष्ट आवासीय विद्यालयों एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कन्या शिक्षा परिसर एवं आदर्श आवासीय विद्यालय में 6वी कक्षा में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा कल 28 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक होगी। इस परीक्षा के लिये ग्वालियर जिले में एक, शिवपुरी में 17, गुना में 3 एवं दतिया व अशोकनगर में एक दृ एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। संभागीय उप आयुक्त जनजातीय कार्य पुरूषोत्तम शर्मा ने बताया कि अनुसूचित जनजाति के जिन विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में भाग लेने के लिये आवेदन किए थे, वे अपने प्रवेश पत्र विभागीय वेबसाइट पोर्टलया किसी कियोस्क व कम्प्यूटर सेंटर के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा से संबंधित किसी प्रकार की समस्या आने पर जिले के सहायक आयुक्त, जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग से संपर्क किया जा सकता है।

प्रेक्षक आदित्य ने अंतरराज्यीय नाका एवं मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया

ग्वालियर । ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में चल रही हर चुनावी गतिविधि पर नजर प्रेक्षक कृष्णा आदित्य पैनी

निगाह रख रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को दिनारा में स्थित अंतरराज्यीय नाका एवं सिकन्दरा बैरियर सहित क्रिटिकल एवं संवेदनशील मतदान केन्द्र देखने पहुँचे।

प्रेक्षककृष्णा आदित्य ने करैरा विधानसभा क्षेत्र में स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक-309 सेंवड़ीकला, 245 काली पहाड़ी व मतदान केन्द्र क्रमांक-180 सिरसौद का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिए की जा रहीं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मतदाताओं के लिए जुटाई जा रही बुनियादी सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। आदित्य ने आदर्श आचरण संहिता के पालन के उद्देश्य से की गई कार्रवाई की जमीनी हकीकत देखी। अंतरराज्यीय व अंतर जिला नाकों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाकों पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए कि संदिग्ध वाहनों की बारीकी से जाँच करें। नाकों से अवैध धनराशि व ऐसी कोई संदिग्ध वस्तु निकलने न पाए, जिससे मतदाताओं को प्रभावित किया जा सकता हो।

होटल के कमरे में कट्टा सहित मिले शातिर चोर

ग्वालियर। होटल में जांच करने पहुंची पुलिस को देखकर तीन युवक घबरा गए और पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो उनके पास से एक कट्टा मिला है। पुलिस ने जब युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की तो पुलिस को पता चला कि पुलिस की गिरफ्त में आये तीनों युवक शातिर चोर है। पुलिस ने जब चोरों से पूछताछ की तो आधा दर्जन चोरियों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने चोरों की निशानदेही पर साढ़े तीन लाख रूपये से ज्यादा का चोरी का माल और कटटा बरामद किया है। पुलिस पकड़े गए चोरों से पूछताछ कर रही है।

सीएसपी महाराजपुरा नागेन्द्र सिंह ने बताया कि उन्हें जरिये मुखबिर सूचना मिली थी कि हजीरा थाना क्षेत्र के लेवल थ्री होटल के कमरा नंबर 307 में कुछ चोर रूके हुये हैं। सूचना मिलते ही उन्होंने थाना प्रभारी हजीरा और अमन तिवारी बताये। पुलिस ने जब संदेहियों को हिरासत में लेकर

को मौके पर भेजा। पुलिस ने जब कमरें की तलाशी ली तो उसमे पुलिस को एक कटटा मिला। जिसके बाद पुलिस ने संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम मनीष उर्फ चाची उर्फ लल्ला जाटव, अर्पित उर्फराजकुमार उर्फराजू वाल्मीक पूछताछ की तो उन्होंने आधा दर्जन से ज्यादा चोरी की वारदातें करना कबूल कर लिया। पुलिस ने चोरों से पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर साढे तीन लाख से ज्यादा का माल बरामद किया है। पुलिस पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

संपादकीय

दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में दावा हकीकत से कोसों दूर

दिल्ली सरकार की बहुप्रचारित सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की हालत ऐसी क्यों देखने में आ रही है कि किसी अस्पताल में दवाइयां नहीं हैं तो कहीं रुई जैसी बुनियादी जरूरत की चीजें भी मरीजों के तीमारदारों को बाहर से लानी पड़ रही हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने शासन काल में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव करने और उससे व्यापक पैमाने पर जनता का हित सुनिश्चित करने के दावे बढ़-चढ़ कर किए हैं। मगर इन दोनों क्षेत्रों में जो तस्वीरें सार्वजनिक रूप से पेश की गई, उसकी जमीनी हकीकत वैसी ही नहीं रहीं। जहां तक स्वास्थ्य के क्षेत्र का सवाल है, अस्पतालों की दशा सुधारने से लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं तक आम लोगों की आसान पहुंच के लिहाज से 'मोहल्ला क्लीनिक' भी खोले गए। मगर व्यवहार में इसका अपेक्षित लाभ लोगों को नहीं मिल सका। इसके समांतर पिछले कुछ महीनों के दौरान दिल्ली के कुछ सरकारी अस्पतालों से जिस तरह दवाइयों और अन्य संसाधनों की कमी के कई मामले सामने आए, उससे यही पता चलता है कि एक तरह की अव्यवस्था पसर रही है, जिसका खमियाजा वहां पहुंचने वाले मरीजों को उठाना पड़ता है। गौरतलब है कि द्वारका इलाके में बुधवार को दिल्ली सरकार के इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों को रुई बाहर से खरीद कर लाने को कहा गया। यह स्थिति अपने आप में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का सच बताने के लिए काफी है।

एक उपलब्धि और 'माडल' के रूप में बहुप्रचारित सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की हालत ऐसी क्यों देखने में आ रही है कि किसी अस्पताल में दवाइयां नहीं हैं तो कहीं रुई जैसी सबसे बुनियादी जरूरत की चीजें भी मरीजों के तीमारदारों को बाहर से लानी पड़ रही हैं। कुछ समय पहले खुद उपराज्यपाल ने यहां के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिख कर दिल्ली सरकार के कामकाज और दावों पर सवाल उठाए थे। दिल्ली के कुछ अस्पतालों में दवाइयों की कमी से जूझने की भी कई खबरें आई। आरोप-प्रत्यारोप के बीच आखिर यह व्यवस्था सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी है कि लोग जब किसी बीमारी का इलाज कराने दिल्ली के किसी अस्पताल में पहुंचें तो वहां चिकित्सक, जरूरी दवाइयां और अन्य बुनियादी संसाधन उपलब्ध हों? सिर्फ प्रचार और दावा करने से किसी सेवा में सुधार नहीं होता, बल्कि उसके लिए वास्तव में पहल करनी पड़ती है। अगर कोई अड़चन आए, संसाधनों की कमी पैदा हो तो उसका विकल्प निकालना पड़ता है, ताकि समस्या का समाधान निकले।

लव जिहाद : इस प्यार को क्या नाम दें, समाज भी समझे प्रेम की परिभाषा

लव जिहाद के लिए वे अच्छे परिवारों की लड़कियों को निशाना बनाते हैं। फैयाज मेरी बेटी का मतांतरण करना चाहता था। नेहा की हत्या द केरल स्टोरी की तरह है।% मीडिया के समक्ष यह आक्रोश कर्नाटक स्थित हुबली-धारवाड़ नगर निगम में कांग्रेस के पार्षद निरंजन हिरेमथ ने प्रकट किया है। गत 18 अप्रैल को उनकी बेटी नेहा की उसके सहपाठी मोहम्मद फैयाज ने सरेआम कई बार चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। हत्याकांड कितना भयावह था, वह नेहा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट है। इसके अनुसार, फैयाज ने नेहा पर 30 सेकंड में 14 बार चाकू से वार किए थे और यहां तक कि उसका गला काटने का भी प्रयास किया था।

सभ्य समाज की जिम्मेदारी है कि वह दो वयस्कों के प्रेम-संबंध के बीच मजहब या जाति की दीवार कभी खड़ी नहीं होने दे। परंतु छल-कपट और अपनी मजहबी पहचान छिपाकर बनाया गया रिश्ता, किसी भी सूरत में प्रेम नहीं कहा जाएगा। अगर यह लव जिहाद नहीं है, तो क्या है? उसने कबूल किया कि वह मेरी बेटी से प्यार करता था और जब मेरी बेटी ने इन्कार कर दिया, तब उसने उसे मार डाला। लव जिहाद के लिए वे अच्छे परिवारों की लड़कियों को निशाना बनाते हैं। फैयाज मेरी बेटी का मतांतरण करना चाहता था। नेहा की हत्या द केरल स्टोरी की तरह है।% मीडिया के समक्ष यह आक्रोश कर्नाटक स्थित हुबली-धारवाड़ नगर निगम में कांग्रेस के पार्षद निरंजन हिरेमथ ने प्रकट किया है। गत 18 अप्रैल को उनकी बेटी नेहा की उसके सहपाठी मोहम्मद फैयाज ने सरेआम कई बार चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। हत्याकांड कितना भयावह था, वह नेहा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट है। इसके अनुसार, फैयाज ने नेहा पर 30 सेकंड में 14 बार चाकू से वार किए थे और यहां तक कि उसका गला काटने का भी प्रयास किया था। यह विडंबना है कि निरंजन हिरेमथ उस दल के सदस्य हैं, जो मुखर होकर वर्षों से %लव-जिहाद% और उस पर आधारित फिल्म द केरल स्टोरी को %इस्लामोफोबिया% से प्रेरित कल्पना और भाजपा-संघ का प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। जब केरल स्थित कुछ चर्च संगठनों ने अपने समाज में जागरूकता फैलाने हेतु पिछले दिनों फिल्म द केरल स्टोरी को कई स्थानों पर प्रदर्शित किया और जब सार्वजनिक चैनल दूरदर्शन ने पांच अप्रैल को इस फिल्म का प्रसारण किया, तब भी वामपंथियों के साथ कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। वही तेवर नेहा हिरेमथ हत्याकांड में दिख रहा है। हालिया दिनों में 'लव-जिहाद' की शिकार केवल नेहा ही नहीं है। इस नृशंस हत्या से स्तब्ध कर्नाटक की एक अन्य हिंदू छात्रा ने जब अपने प्रेमी आफताब के साथ संबंध तोड़े, तो इससे गुस्साए आफताब ने हमला करके उसे घायल कर दिया। पीड़िता के अनुसार, उसकी मुस्लिम सहेली ने उसे आफताब से मित्रता हेतु विवश किया था। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के ही बेलगावी में विवाहित दलित महिला ने रफीक और उसकी बेगम पर जबरन मतांतरण करने का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, रफीक ने बहला-फुसलाकर अपनी बेगम के सामने पहले उसका बलात्कार किया, जिसकी तस्वीरें तक ली गईं। फिर उसे सिंदूर हटाने, बुर्का पहनने, नमाज अदा करने और अपने हिंदू पति को तलाक देकर इस्लाम कबूलने का दबाव बनाना और धमकाना शुरू कर दिया। शेष भारत के अलग-अलग कोनों से भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिन्हें %लव-जिहाद% के तौर पर परिभाषित किया जा रहा है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में ताहेर पठान के खिलाफ अपनी मजहबी पहचान छिपाकर 27 वर्षीय हिंदू युवती को प्रेमजाल में फंसाकर यौन-उत्पीड़न करने, उसका वीडियो बनाने, जबरन गौमांस खिलाने और मतांतरण करने का मामला दर्ज हुआ है। वहीं मध्य प्रदेश के गुना में अयान पठान पर पड़ोस की एक हिंदू युवती ने प्रेम के नाम पर उसे बंधक बनाकर बलात्कार करने, बेल्ट-पाइप से बुरी तरह से पीटने, उसके जख्मों पर नमक-मिर्च डालने और चीखने से रोकने के लिए होंठों को फेवीक्विक से चिपकाने का आरोप लगाया है। अतीत में कई मुस्लिम शासकों द्वारा इस्लाम के प्रचार-प्रसार हेतु डराने-धमकाने और हिंसा के उदाहरण मिलते हैं। अब 'तकैयाह' प्रथा (पवित्र धोखा) के अंतर्गत झूठ बोलकर और छल-फरेब से मतांतरण के मामले सामने आ रहे हैं। कुछ जानकारों ने ऐसे मजहबी चक्रव्यूह, जिसमें प्रेम के नाम पर गैर-मुस्लिमों से शारीरिक संबंध बनाकर मतांतरण का दबाव डाला जाता है, को सार्वजनिक विमर्श में %लव-जिहाद% का नाम दिया है। यह शब्दावली विरोधाभासी है। इसमें प्रेम नहीं, अपितु इस्लाम का प्रसार करने की प्रतिबद्धता है, जिसमें %सवाब% मिलने की अवधारणा है। शायद इसलिए कई बार %लव-जिहाद% के मामलों में आरोपी या दोषी को पूरा समर्थन तक हासिल हो जाता है। 'लव-जिहाद' संज्ञा भले ही नई हो, परंतु हिंदू-ईसाई समाज कई दशकों से इस पर अपनी चिंता प्रकट कर रहे हैं। एक अमेरिकी ईसाई मिशनरी क्लिफर्ड मैनशार्ट ने 1936 में लंदन से प्रकाशित अपनी पुस्तक द हिंदू-मुस्लिम प्रॉब्लम इन इंडिया के पृष्ठ 48 पर हिंदू महिलाओं को चुराने और बहकाने की कोशिशों का उल्लेख किया है। गत वर्ष ब्रिटेन की तत्कालीन गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने कहा था–%पाकिस्तानी मूल के मुसलमान श्वेत ब्रितानी लड़कियों से उनकी मुश्किल परिस्थितियों के दौरान बलात्कार करते है और ड्रग्स देते हैं।% रॉचडेल (2008-12) और रॉदरहैम (1970-2014) में गैर-मुस्लिम युवतियों (अधिकांश ईसाई और नाबालिग) के भयावह यौन उत्पीड़न–इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जिसमें पाकिस्तान और अफगान मूल के कई नागरिक दोषी पाए गए थे। कुछ वर्ष पहले ब्रिटेन स्थित एक सिख संगठन ने भी दावा किया था कि वर्ष 1960 से स्थानीय हिंदू-सिख युवतियों का मुस्लिम युवकों द्वारा यौन-शोषण हो रहा है। तब इस मामले को ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सांसद सारहा चैंपियन ने भी जोर-शोर से उठाया था। आखिर यह कैसी मानसिकता है? डेमोग्राफिक इस्लामिजेशन ऑफ नॉन-मुस्लिम्स इन मुस्लिम कंट्री नामक दस्तावेज में फ्रांसीसी समाजशास्त्री और यूरोपीय विश्वविद्यालय में प्रवासन नीति केंद्र के निदेशक फिलिप फर्ग्यूस कहते हैं, %प्रेम अब सतत इस्लामीकरण की प्रक्रिया में वही भूमिका निभा रहा है, जो अतीत में बलपूर्वक किया जाता था।% ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में इस्लामी इतिहासकार क्रिश्चियन सी. साहनर ने अपनी पुस्तक क्रिश्चियन मार्ट्यर्स अंडर इस्लाम–रिलीजियस वॉयलेंस ऐंड मेकिंग ऑफ द मुस्लिम वर्ल्ड में लिखा है, %इस्लाम शयन कक्ष के माध्यम से ईसाई दुनिया में फैला। निस्संदेह, सभ्य समाज की जिम्मेदारी है कि वह दो वयस्कों के प्रेम-संबंध के बीच मजहब या जाति की दीवार कभी खड़ी नहीं होने दे। परंतु छल-कपट और अपनी मजहबी पहचान छिपाकर बनाया गया रिश्ता, किसी भी सूरत में प्रेम नहीं कहा जाएगा। कोई आश्चर्य नहीं कि अपने अभियान में विफल होने या उसका भंडाफोड़ होने पर कथित 'प्रेमी' हिंसक हो जाते हैं और अपनी 'प्रेमिका/पत्नी' की हत्या करने में संकोच भी नहीं करते हैं।

समस्या : शहर-शहर कचरे के पहाड़, बड़ी चुनौती है कूड़ा-करकट का प्रबंधन

कचरे के पहाड़ की समस्या सिर्फ राजधानी दिल्ली या मुंबई महानगर तक सीमित नहीं है, बल्कि अब तो गुरुग्राम ने भी इस सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। यहां बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर रोजाना फरीदाबाद और गुरुग्राम का 2,300 टन कचरा पहुंच रहा है और अक्सर आग लगने की घटनाएं होती हैं। दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल स्थित कचरे के पहाड़ में लगी आग फिलहाल बुझा दी गई है, लेकिन आग से उठे धुंए ने आसपास के इलाके के लोगों की सांस अटका रखी है। लोग आंखों में जलन व सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। इस कचरे के पहाड़ की दुर्गंध तो बरसों से उनकी नियति बन चुकी है। इलाके के दिल के कुछ मरीज परेशानी के चलते घर छोड़ रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। मौजूदा चुनावी माहौल में राजधानी दिल्ली के कूड़े के पहाड़ का मसला चर्चा का विषय बना हुआ है। अभी तक आग के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और एफएसएल की टीमें जांच में जुटी हैं, लेकिन लैंडफिल साइट के प्रबंधन को लेकर दिल्ली नगर निगम की नीति पर लोगों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कचरे के पहाड़ में आग लगने की घटना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। पिछले बीस वर्षों से कूड़े के पहाड़ को खत्म करने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नहीं होती है। कचरे के पहाड़ की समस्या सिर्फ राजधानी दिल्ली या मुंबई महानगर तक सीमित नहीं है, बल्कि अब तो गुरुग्राम ने भी इस सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। यहां बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर रोजाना फरीदाबाद और गुरुग्राम का 2,300 टन कचरा पहुंच रहा है और अक्सर आग लगने की घटनाएं होती हैं। यहां फिलहाल तकरीबन 16 लाख टन कूड़ा पड़ा है। बीते 24 दिनों में यहां 13 बार आग लगने की घटनाएं हुई हैं। लैंडफिल साइट के पास लोगों का रहना काफी मुश्किल होता जा रहा है, लेकिन लोग खून-पसीने की कमाई से अर्जित मकान छोड़ नहीं पा रहे हैं। यहां रहने वाले लोग बरसों से दिल, सांस, गले में खराश, दिमाग में सूजन आदि विभिन्न रोगों के चंगुल में हैं। खासतौर पर बच्चों, गर्भवती महिलाओं, हृदय और सांस के रोगियों के लिए यह स्थिति जानलेवा है। दिल्ली में कचरे के पहाड़ में लगी आग से शहर में घुल रहे धुंए पर न केवल उपराज्यपाल, बल्कि दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और सुप्रीम कोर्ट तक ने संज्ञान लेते हुए निगमायुक्त, प्रमुख सचिव व दिल्ली सरकार से जबाव मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह आश्चर्यजनक है कि राजधानी में प्रतिदिन निकलने वाले 11,000 टन ठोस कचरे में से 3,000 टन का उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है। हैरानी की बात है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 को लागू हुए आठ साल हो गए हैं, लेकिन दिल्ली में इसका कोई पालन नहीं हो रहा है। नतीजतन कचरे का पहाड़ दिन-ब-दिन बढ़ता ही जाता है। पूरे देश में हर साल 277 अरब किलो कचरा निकलता है, यानी प्रति व्यक्ति करीब 205 किलो कचरा निकलता है। इसमें से केवल 70 फीसदी ही इकट्ठा किया जाता है। बाकी जमीन और पानी में फैला रहता है। इकट्ठा किए गए कचरे में से आधा या तो खुले में फेंक दिया जाता है या उसे जमीन में दबा दिया जाता है। औद्योगिक कचरे के निपटान की जिम्मेदारी उद्योगों पर और घरों से निकले कचरे के निपटान की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होती है। देश में कुल कचरे में से सिर्फ पांचवें हिस्से की रिसाइक्लिंग हो पाती है। खुले में फेंके कचरे में भारी मात्रा में निकल, जिंक, आर्सेनिक, कांच, क्रोमियम और दूसरी जहरीली धातुएं होती हैं, जो पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे की वजह होती हैं। देश में सालाना जितनी जहरीली मीथेन उत्सर्जित होती है, उसमें से 20 फीसदी सिर्फ इन कचरे के ढेरों से निकलती है। अब छोटे शहर-कस्बों में भी में कचरे के लैंडफिलों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दिनों में विकास की रफ्तार और बढ़ेगी, ऐसे में कई गुना कचरा बढ़ेगा।

हमारे देश में अहमदाबाद, सूरत, नवी मुंबई, मैसूर और इंदौर ने कचरा संग्रह और उसके निपटान व स्वच्छता में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, जिनसे कुछ सीख ली जा सकती है। कचरा प्रबंधन के मामले में हम दूसरे देशों से बहुत पीछे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, 2030 तक भारत में हर साल निकलने वाला कचरा 388 अरब किलो हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि लोगों को घरों में ही अलग-अलग डस्टबिन में कचरा रखने के लिए जागरूक किया जाए, ताकि उसे रिसाइकल करने में आसानी हो। वैसे स्वच्छ भारत अभियान से स्थिति थोड़ी सुधरी जरूर है, पर अभी काफी कुछ करना बाकी है।

विकास के दावों के बीच भूख की त्रासदी झेलने के लिए लोग मजबूर

यह अफसोसनाक हकीकत एक तरह से विकास के दावों के सामने आईना है, जो इस बात पर विचार करने जरूरत को रेखांकित करता है कि इसकी दिशा क्या है और आखिर यह किसके लिए है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को 'ग्लोबल रिपोर्ट आन फूड क्राइसिस' यानी खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा किया कि विश्व के उनसठ देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग सन 2023 में भूख से तड़पने को लाचार हुए। भूख का सामना करने वाले लोगों की तादाद 2022 के मुकाबले 2.4 करोड़ ज्यादा रही।रिपोर्ट के मुताबिक, भूखे रहने वालों में बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को 'ग्लोबल रिपोर्ट आन फूड क्राइसिस' यानी खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा किया कि विश्व के उनसठ देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग सन 2023 में भूख से तड़पने को लाचार हुए। यह अपने आप में एक बड़ा विरोधाभास है कि जिस दौर में दुनिया भर में अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों के जरिए लगातार विकास का हवाला दिया जाता है, उसमें करोड़ों लोगों को पेट भरने के लिए खाना तक नहीं मिलता है। यह अफसोसनाक हकीकत एक तरह से विकास के दावों के सामने आईना है, जो इस बात पर विचार करने जरूरत को रेखांकित करता है कि इसकी दिशा क्या है और आखिर यह किसके लिए है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को 'ग्लोबल रिपोर्ट आन फूड क्राइसिस' यानी खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा किया कि विश्व के उनसठ देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग सन 2023 में भूख से तड़पने को लाचार हुए। भूख का सामना करने वाले लोगों की तादाद 2022 के मुकाबले 2.4 करोड़ ज्यादा रही।रिपोर्ट के मुताबिक, भूखे रहने वालों में बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा, बत्तीस देशों में पांच वर्ष से कम उम्र के 3.6 करोड़ अधिक बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। साथ ही युद्ध और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की वजह से बढ़ते विस्थापन के बीच पिछले वर्ष कुपोषण की समस्या और ज्यादा गहरी हो गई। सवाल है कि दुनिया भर में और खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अगर भूख सहित कई बड़ी समस्याओं से लड़ने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की बात की जाती है तो इस त्रासदी के लिए किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि बीस देशों में भूख की मुख्य वजह वहां चल रहे हिंसक संघर्ष थे। दूसरा बड़ा कारण यह था कि बढ़ते तापमान या मौसम से संबंधित आपदाओं, कीटों के हमले और महामारी के बीच करीब सात करोड़ सत्तर लाख से ज्यादा लोगों को उच्च स्तर की गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। इसी तरह, खाने-पीने की चीजों की महंगाई, आयातित खाद्य वस्तुओं पर निर्भरता, उच्च ऋण स्तर आदि वजहों से भी लोगों को भूख की समस्या से रूबरू होना पड़ा। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से या वैश्विक स्तर पर भुखमरी के लिए जिन कारणों को चिह्नित किया गया है, उसका हल निकालने की कोशिश किसे करनी है और वह कब होगा! यह एक जगजाहिर तथ्य है कि संयुक्त राष्ट्र या फिर अन्य संस्थाओं की ओर से विश्व भर में भूख के संकट पर अक्सर अध्ययन रपटें जारी की जाती हैं। उसमें कारण भी बताए जाते हैं। मगर उन्हें दूर करने को लेकर बात औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ पाती। अन्यथा क्या वजह है कि वर्षों से भुखमरी के हालात कायम रहने के बावजूद इस दिशा में अब तक कोई ठोस हल सामने नहीं आ सका है। उल्टे आर्थिक और सामरिक स्तर पर दुनिया के ताकतवर देश भुखमरी की त्रासदी की ओर ध्यान दिलाए जाने पर भी उसके समाधान को लेकर शायद ही कोई रुचि दिखाते हैं। गरीबी, जलवायु परिवर्तन आदि से उपजी समस्याओं से अगर कोई देश ज्यादा प्रभावित होता है तो सक्षम देश उनकी मदद के लिए क्या करते हैं? संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि युद्धग्रस्त गाजा में सबसे ज्यादा लोगों ने अकाल की गंभीर स्थिति का सामना किया। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था के होते हुए भी युद्धग्रस्त इलाकों में ऐसे हालात कैसे लंबे समय तक बने रहते हैं और युद्ध को खत्म कराने के प्रयास महज दिखावे के क्यों साबित होते हैं कि लोगों के सामने भूख से तड़पने की नौबत आती है!

किताब सिखाती है जीवन जीने की कला

किताबें और पंछी को बाहर की दुनिया में लाकर देखा जाए तो दोनों हमारी संकीर्णताओं को अपने-अपने ढंग से मिटाने की क्षमता रखती हैं। एक ज्ञान तो दूसरा स्वच्छंदता का प्रतीक है। दोनों जब तक कैद हैं, तब तक हम चाहकर भी अपनी संकीर्णताओं से मुक्त नहीं हो सकते हैं। किताबों की दुनिया बहुत विस्तृत और गहन है। इनके द्वारा हमें ज्ञान, अनुभव और जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखने का अवसर मिलता है। इनकी सहायता से हम प्राचीन धर्म, विज्ञान, तकनीक, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कला, साहित्य आदि के बारे में जान सकते हैं।

दिमाग में उमड़ते-घुमड़ते विचारों को, मन के भावों को शब्दों में बांध कर पृष्ठ पर उतार देना कोई जादू या छूमंतर जैसा खेल नहीं है कि किसी ने छू भर दिया और सब हो गया। लेखन श्रम और लगन मांगता है। ध्यान और समय मांगता है। सरोकार वास्तविक नहीं हो तो लिखना बेमानी हो जाता है। किताबों की शीशे वाली अलमारी दिखने में बहुत सुंदर लगती है। ठीक उसी तरह, जिस तरह कोई रंग-बिरंगी पंछी पिंजरे के भीतर हो। किताबें और पंछी को बाहर की दुनिया में लाकर देखा जाए तो दोनों हमारी संकीर्णताओं को अपने-अपने ढंग से मिटाने की क्षमता रखती हैं। एक ज्ञान तो दूसरा स्वच्छंदता का प्रतीक है। दोनों जब तक कैद हैं, तब तक हम चाहकर भी अपनी संकीर्णताओं से मुक्त नहीं हो सकते हैं। किताबों की दुनिया बहुत विस्तृत और गहन है। इनके द्वारा हमें ज्ञान, अनुभव और जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखने का अवसर मिलता है। इनकी सहायता से हम प्राचीन धर्म, विज्ञान, तकनीक, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कला, साहित्य आदि के बारे में जान सकते हैं। इनका संसार बड़ा रोचक, मोहक और ज्ञानवर्धक है। जिंदगी 'पट्टी पूजन' से शुरू होती है और पूरी जीवन यात्रा में किताबें हमारा पाथेय बनी रहती हैं। किताबें ज्ञान का कोश हैं और अनुभवजनित ज्ञान का भंडार हैं। यह जहां-तहां दुकानों, पुस्तकालयों, किताब मेलों आदि में सजती हैं। कुछ स्थानों पर लोकार्पित और विमोचित होती हैं, लेखकों से संवाद होता है। किताबें देखी जाने के साथ साथ खरीदी जाकर पुस्तकालयों और किताब प्रेमियों के घरों में विराजती हैं। कुछ यदा-कदा बांच ली जाती हैं, कुछ के पन्ने पलट लिए जाते हैं। कुछ की अनुक्रमणिका देखकर ही किताब का जायजा ले लिया जाता है। कुछ जरूरत पड़ने पर संदर्भ के लिए संभाल कर रख दी जाती हैं और कुछ को सजा कर रख दिया जाता है। व्यक्तिगत पुस्तकालयों में कुछ पुस्तकों का भाग्य इतना बुलंद होता है कि उन्हें कई बार अक्षर-अक्षर इस तरह पढ़ लिया जाता है कि पूरी किताब पृष्ठ संख्या और अनुच्छेद के संदर्भ के साथ दिमाग में अंकित हो जाती है और कुछ अलमारियों में ऐसी कैद कर दी जाती हैं कि उनके अक्षरों को दीमक ही चाट जाती हैं। किताब प्रेमी भी कई तरह के होते हैं। उनमें विद्यार्थी हैं। ये लोग आमतौर पर अध्ययन और पढ़ाई में रुचि रखते हैं और किताबों के माध्यम से अपने ज्ञान और सूक्ष्म विचारधारा को बढ़ाना पसंद करते हैं। दूसरे होते हैं साहित्य प्रेमी। ये लोग साहित्यिक उत्पादों के प्रेमी होते हैं जैसे कि कहानियां, कविताएं, नाटक आदि। वे अपने बुद्धि, समझ और भावुकता के अंतर्गत साहित्य को समझते हैं और उससे प्रभावित होते हैं। तीसरे होते हैं इतिहास प्रेमी। ये लोग इतिहास और संस्कृति से जुड़ी किताबों के प्रेमी होते हैं। वे किताबों का अध्ययन करते हैं और उनके माध्यम से अपनी जानकारी को बढ़ाते हैं। चौथे होते हैं विज्ञान प्रेमी, जो वैज्ञानिक उत्पादों, अनुसंधान और नवीनतम विकासों से जुड़ी किताबों के प्रेमी होते हैं। वे उन्हें पढ़ते हैं और उनसे नए विचारों का निर्माण करते हैं। धर्म प्रेमी लोग धर्म से संबंधित किताबों का अध्ययन करने में रुचि रखते हैं। इस तरह किताब प्रेमियों के वर्ग अनंत हैं। मगर कुछ वर्ग ऐसे होते हैं जिनमें एक को खरीदने का और अलमारी में सजाने का खूब शौक होता है। कुछ तो बैठक में ही उन्हें सजा देते हैं और कमरे की शोभा बना देते हैं कि मेल-मिलापियों पर उनका अच्छा असर पड़े कि अमुक बेहद पढ़ाकू है। कुछ लोग पुस्तकों के इतने प्रेमी होते हैं जो किताबों का अक्षर-अक्षर जब तक नहीं पढ़ लेते हैं, तब तक बेचैन रहते हैं। कुछ पढ़ कर समझने और उनका जीवन में प्रयोग करने के पक्षधर हैं तो कुछ दूसरों को बांच-बांच कर सुनाते रहते हैं। इसी तरह कुछ लोग किताबों से रट कर परीक्षा में लिख आते हैं, परीक्षा पास कर लेते हैं और बाद में सब भुला दिया जाता है। कुछ पाठक हैं तो कुछ पाठकों की सुविधा, रुचि और अपने अनुभवों का पिटारा सब तक पहुंचाने के लिए लगातार खुद को लिख-लिख कर अभिव्यक्त करते रहते हैं। दरअसल, किताबें हमें जीवन जीने का मार्ग दिखाती हैं, हमारी मित्र हैं, सही गलत का बोध कराती हैं, अद्यतन सूचना से लैस करती हैं। ये लेखक के संचित अनुभवों का भंडार हैं। ये केवल शब्दों की बाजीगरी या जादूगरी नहीं हैं, बल्कि कितना-कितना सोचा समझा जाता है, तब जाकर शब्द वाक्य में, वाक्य अनुच्छेद में, अनुच्छेद पृष्ठों में, पृष्ठ अध्यायों में बदल कर किताब रूप में सजते हैं।

गुकेश ने खेलने के लिए नियमित पढ़ाई छोड़ी, लोन लिया

नई दिल्ली। भारत के 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने इसी सप्ताह टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वे वर्ल्ड खिताब के लिए सबसे कम उम्र में चुनौती देने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। पांच बार के वर्ल्ड चैम्पियन मार्वे केमैग्नस कार्लसन ने इस टूर्नामेंट से पहले कहा था कि भारतीय खिलाड़ी किसी भी सूरत में इस बार कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट नहीं जीत पाएंगे। खासकर डी गुकेश को तगड़ी हार मिलेगी क्योंकि उनके विरोधी बहुत मजबूत हैं, लेकिन 17 साल के इस युवा चैम्पियन ने न केवल मैग्नस को गलत साबित किया बल्कि अब वर्ल्ड चैम्पियन बनने के भी सबसे युवा दावेदार बन गए हैं। वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए गुकेश का मुकाबला अब चीन के डिंग लिरेन से होगा।

गुकेश को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए उनके माता-पिता को भी काफी त्याग करने पड़े। जब गुकेश ने शतरंज में बेहतर करना शुरू किया तो पेशे से डॉक्टर पिता को नौकरी छोड़नी पड़ी। दरअसल विदेश में टूर्नामेंट होने के कारण वे मरीजों को समय नहीं दे पाते थे, ऐसे में उन्होंने अपना क्लीनिक बंद कर दिया। इसका नुकसान यह हुआ कि उनकी आय सीमित हो गई। गुकेश के टूर्नामेंट और परिवार के खर्च का बोझ मां पद्मा पर आ गया। उस समय गुकेश को प्रायोजक नहीं मिल रहे थे जबकि विदेश में टूर्नामेंट खेलने का खर्च बहुत अधिक था। ऐसे में कई बार टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए उन्हें लोन तक लेने पड़े।

उनके पिता रजनीकांत विदेशी टूर्नामेंट का एक किस्सा सुनाते हैं। 2021 में जब वे गुकेश को यूरोप लेकर गए तब उन्हें भारत वापस आने में लगभग 4 महीने लग गए। दरअसल गुकेश ने इस दौरान 13 से 14 टूर्नामेंट खेले। उन्हें तीन बार फ्लाइट छोड़नी पड़ी। गुकेश को चेस के अलावा क्रिकेट, बैडमिंटन जैसे खेल भी पसंदहै। उन्हें खाने का बेहद शौक है।

12 की उम्र में बने दुनिया के दूसरे सबसे युवा ग्रैंड मास्टर

डी गुकेश ने 7 साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। 2015 में उन्होंने अंडर-9 एशियन स्कूल चेस चैम्पियनशिप जीती। इसके बाद 2018 में अंडर-12 कैटेगरी में वर्ल्ड यूथ चैम्पियनशिप का खिताब जीता। 2017 में उन्होंने 34वें कैप्पेल-ला-ग्रांडे-ओपन में इंटरनेशनल मास्टर बनने के मानकों को पूरा कर लिया। इसके बाद 15 जनवरी 2019 को 12 साल 7 महीने और 17 दिन की उम्र में दुनिया के दूसरे सबसे युवा ग्रैंड मास्टर बन गए। हालांकि उनका यह रिकॉर्ड अमेरिकी ग्रैंड मास्टर अभिमन्यु मिश्रा ने तोड़ दिया। वे 12 साल 4 महीने में ग्रैंड मास्टर बने। गुकेश अब दुनिया के तीसरे सबसे युवा ग्रैंड मास्टर हैं। दूसरे नंबर पर रूस के सर्गेई कारजाकिन हैं जो 12 साल 7 महीने में ग्रैंड मास्टरबने थे। गुकेश कैंडिडेट्स चैम्पियनशिप जीतने वाले अब दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं।

7 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था शतरंज

गुकेश का पूरा नाम डोमाराजू गुकेश है। उनका जन्म चेन्नई में रजनीकांत और पद्मा के घर हुआ था।

मध्यक्रम में विस्फोटक बल्लेबाजों का होना किसी भी टीम के लिए फायदेमंद है - युवराज सिंह

नई दिल्ली। भारत को 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जिताने वाले युवराज सिंह अंतर्राष्ट्रीय मैचों पर हमेशा नजर रखते हैं। इसके बाद उन्होंने आईसीसी के साथ मीटिंग कर इस साल के आयोजन से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने साथ ही यह भी बताया कि भारत को दूसरी बार प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप ट्रॉफी उठाने के लिए क्या करने की जरूरत है। उन्होंने शिवम दुबे को टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में शामिल करने की बात कही है। साथ ही रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर भी चर्चा की।

युवराज ने कहा कि उन्हें भारत के मध्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा विस्फोटक बल्लेबाजों को खेलते देखना है। उन्होंने कहा कि मध्यक्रम में विस्फोटक बल्लेबाजों का होना किसी भी टीम के लिए फायदेमंद है। युवी ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय चयनकर्ताओं को चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे को टीम में शामिल करना चाहिए और वह उन्हें प्लेइंग-11 में भी खेलते देखना चाहते हैं।

युवी ने कहा, मैं शिवम दुबे को टीम में देखना चाहूंगा। वह भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं, लेकिन इस आईपीएल में वह काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो मैच का रुख किसी भी वक्त बदल सकते हैं। कई अन्य खिलाड़ी हैं जो पिछले कुछ समय से अच्छा खेल रहे हैं, लेकिन मैं शिवम दुबे को टीम में देखना चाहूंगा।

रोहित और विराट पर युवराज का बयान

युवराज को पता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली इस साल टी20 विश्व कप में भारत के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि इन दोनों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कब संन्यास लेना चाहिए। युवराज ने सुझाव दिया कि रोहित और कोहली को टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारूप में न खेलने पर विचार करना चाहिए और अन्य प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

युवराज ने कहा, जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है लोग आपकी उम्र के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं और आपके फॉर्म को भूल जाते हैं। रोहित और विराट भारत के लिए शानदार रहे हैं

इंडोनेशिया की रोहमालिया ने टी-20 इंटरनेशनल में रिकॉर्ड बनाया डेब्यू मैच में 0 पर 7 विकेट लिये

नई दिल्ली। इंडोनेशिया की ऑफ स्पिनर रोहमालिया ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट (मेंस और विमेंस) में नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बुधवार को डेब्यू मैच में बिना कोई रन दिए 7 विकेट लिए।

बाली में खेले गए मंगोलिया के खिलाफ सीरीज के पांचवें मैच में रोहमालिया ने 20 गेंदें फेंकी, सभी डॉट रहीं, और उन्होंने 7 विकेट लिए। छह मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 25 अप्रैल को खेला गया। बुधवार को खेले गए सीरीज के पांचवें टी-20 मैच में इंडोनेशिया ने 151 रन बनाए और बदले में मंगोलिया को 24 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद सीरीज का छठा मैच गुरुवार को खेला गया। इंडोनेशिया ने यह सीरीज 6-0 से जीती।अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स (3 रन पर 7 विकेट) और नीदरलैंड की फ्रेडरिक ओवरडिज्क (3 रन पर 7 विकेट) के बाद रोहमालिया महिला टी-20 में सात विकेट लेने वाली तीसरी गेंदबाज हैं।

मेंस में बेस्ट बॉलिंग फिगर मलेशिया के इद्रस के नाम

मेंस की टी-20 इंटरनेशनल में बेस्ट गेंदबाजी का आंकड़ा मलेशिया के सयाजरुल एजात इद्रस के नाम हैं, जिन्होंने पिछले साल चीन के खिलाफ 8 रन देकर 7 विकेट लिए थे। यह मैच कुआलालम्पुर में 26 जुलाई 2023 को खेला गया। सयाजरुल की गेंदबाजी की वजह से चीन की टीम महज 11.2 ओवर्स में 23 रनों पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड ने चौथे टी-20 में पाकिस्तान को हराया, 4 रन से मुकाबला जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने चौथे टी-20 मुकाबले में गुरुवार को पाकिस्तान को 4 रन से हराया। इस जीत के बाद न्यूजीलैंड पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 से आगे हो गई है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला लिया।

पहले बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 178 रन बनाए। जवाब में पाक टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 174 रन ही बना पाई। न्यूजीलैंड के लिए ओपनर टिम रॉबिन्सन (51) ने अर्धशतक लगाया। राइट आर्म पेसर विलियम ओ रूर्के ने तीन विकेट लिए। ओ रूर्के को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 7 विकेट पर 178 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से इसी सीरीज में डेब्यू करने वाले टिम रॉबिन्सन ने 36 गेंदों पर 51 रन बनाए। उनके अलावा डीन फॉक्सक्रॉफ्ट 26 गेंदों पर 34 और टॉम ब्लंडल ने 15 गेंदों पर 28 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से अब्बास अफरीदी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

जमान का अर्धशतक पाक के काम न आया

179 रन के टारगेट का पीछा कर रहे पाकिस्तान ने पावरप्ले के अंदर ही अपने 3 विकेट खो दिए। फखर जमान ने 61 रन की पारी खेली, लेकिन वे टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। न्यूजीलैंड की ओर से विलियम ओ रूर्के ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। बेन सियर्स ने दो विकेट झटके। कप्तान माइकल ब्रेसवेल और जेम्स नीशम को एक-एक विकेट मिला।

अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का सिलेक्शन 1 मई से पहले होना है। बीसीसीआई ने पहले ही इस टूर्नामेंट के लिए रोहित शर्मा को कप्तान और हार्दिक पंड्या को उप कप्तान घोषित कर दिया है। अब बाकी 13 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा होनी है।

जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर व्हिटल पर तेंदुए ने हमला किया, हॉस्पिटल में भर्ती, सर्जरी हुई

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर गाय व्हिटल तेंदुए के हमले के बाद तेंदुए के हमले के बाद घायल हो गए। व्हिटल पर यह हमला जिम्बाब्वे के बफेलो रेंज में हुआ। जहां से उन्हें फ्लाइट से हरारे ले जाना पड़ा और उनकी हरारे में इमजेंसी सर्जरी हुई। यह जानकारी व्हिटाल की पत्नी हन्ना स्टूक्स व्हिटाल ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। स्टूक्स ने गाय व्हिटल की एक फोटो पोस्ट किया और मेडिकल स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनका इलाज किया। स्टूक्स ने यह भी बताया कि हमले के दौरान व्हिटाल का काफी में खून बह गया था।

सेंसेक्स 609 अंक की गिरावट के साथ 73,730 पर बंद, निफ्टी भी 150 अंक गिरा

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 26 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 609 अंक की गिरावट के साथ 73,730 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी में भी 150 अंक की गिरावट देखने को मिली, ये 22,419 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और 7 में तेजी देखने को मिली।

टेक महिंद्रा के शेयर में 7.55त्न की तेजी देखने को मिली। दिनभर कारोबार करने के बाद कंपनी का शेयर 89 अंक की तेजी के साथ 1,280 के स्तर पर बंद हुआ। दरअसल, टेक महिंद्रा ने बीते दिन 25 अप्रैल को QyFY24 यानी फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे।

जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट, यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 41 प्रतिशत गिरकर 661 करोड़ रहा। वहीं पिछली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 510 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार (त्तभक्त) पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 29.5 प्रतिशत बढ़ा है।

वेदांता के शेयर में 4.19 प्रतिशत की तेजी रही

चौथी तिमाही के नतीजे के बाद वेदांता के शेयर में 4.19 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। माइनिंग कंपनी वेदांता लिमिटेड ने बीते दिन गुरुवार को QyFYwy यानी वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट, यानी शुद्ध-मुनाफा सालाना आधार पर 27.4 प्रतिशत घटकर 2,273 करोड़ रहा।

पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 3,132 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही में यह 2,868 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट चौथी तिमाही में 20.47 प्रतिशत घटा है। इससे पहले कल यानी 25 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 486 अंक की तेजी के साथ 74,339 के स्तर पर बंद हुआ था।

वहीं निफ्टी में भी 167 अंक की तेजी रही, ये 22,570 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिली थी।

इंडिगो ने 30 एयरबस ए 350-900 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया, वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट सेगमेंट में एंट्री करेगी एयरलाइन

नई दिल्ली। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड यानी इंडिगो ने 30 एयरबस 350-900 एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए ऑर्डर दिया है। इसके जरिए बजट एयरलाइन इंडिगो वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट सेगमेंट में एंट्री करेगी। आज यानी 25 अप्रैल को कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी है।

एयरलाइन ने बताया कि इन विमानों में रोल्स रॉयस के ट्रेंट XWB इंजन लगे हैं। इंडिगो को उम्मीद है कि इन वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट की डिलीवरी 2027 से शुरू हो जाएगी। इसके जरिए एयरलाइन को अपने नेटवर्क का विस्तार करने में मदद मिलेगी। ये विमान फ्यूल एफिशिएंट होते हैं।

30 विमानों की खरीद के अलावा, इंडिगो ने 70 अतिरिक्त 350 विमानों की खरीद के अधिकार के लिए भी हस्ताक्षर किए हैं। नए विमानों से एयरलाइन अल्ट्रा-लॉन्ग-डिस्टेंस फ्लाइट ऑपरेट कर पाएगी। इससे यह एयर इंडिया के साथ सीधे कॉम्पिटिशन में आ जाएगी।

इंडिगो के पास 350 से ज्यादा विमानों का बेड़ा

इंडिगो के पास 350 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है। अपने बेड़े के साथ इंडिगो रोजाना 1900 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है। ये एयरलाइन 81 डोमेस्टिक डेस्टिनेशन और 32 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन को कवर करती है।

भारत में सबसे ज्यादा 60त्न मार्केट शेयर इंडिगो के पास ही है, जो साल 2030 तक अपनी क्षमता को दोगुना और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने नेटवर्क का विस्तार करना चाहती है।

इंडिगो के शेयर ने इस साल अब तक में 28.25 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले 6 महीनों में शेयर 58.36त्न चढ़ चुका है। आज इंडिगो का शेयर 2.08त्न की तेजी के साथ 3,820 रुपए के स्तर पर बंद हुआ है।

QxFYwy यानी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इंडिगो का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 110.7 त्न बढ़कर ?2,998 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में इंडिगो ने 1,422.6 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। QxFYwy में ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 30.26 प्रतिशत बढ़कर 19,452 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 14,933 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने तीसरी तिमाही में टिकट बेचकर ?17,157 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया। पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले इसमें करीब 30.30 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है।

अगले साल ऑप्टिमस रोबोट बेचना शुरू कर सकता है टेस्ला, वेयरहाउसिंग, रिटेल और मैन्युफैक्चरिंग जैसे इंडस्ट्रीज में काम कर सकेगा

नई दिल्ली। टेस्ला का ह्यूमनॉएड रोबोट ऑप्टिमस अगले साल के अंत तक बिक्री उपलब्ध हो सकता है, अभी यह डेवलपमेंट फेज में है। कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने मंगलवार को यह बात कही।उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैपेबिलिटीज का जिक्र करते हुए कहा, मुझे लगता है कि टेस्ला किसी भी ह्यूमनॉएड रोबोट मेकर की तुलना में एफिशिएंट इनफ्रेंस के साथ मास प्रोडक्शन तक पहुंचने के लिए सबसे बेहतर स्थिति में है।

इस तरह के रोबोट से श्रम की कमी को पूरा किया जा सकेगा और काम को भी आसानी से किया जा सकेगा। यह रोबोट वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक, रिटेल और मैन्युफैक्चरिंग जैसे इंडस्ट्रीज में इस्तेमाल किए जा सकेंगे।

ह्यूमनॉइड रोबोट ऑप्टिमस में उसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर और सेंसर का यूज किया है, जो टेस्ला कार के एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम ऑटोपायलट में मौजूद है। ये रोबोट टेस्ला चिप पर पर काम करता है। रोबोट में 2.3 किलोवाट प्रति घंटे का बैटरी पैक लगा है, जो पूरे दिन आसानी से काम कर सकता है। इसमें वाईफाई और एलटीई सपोर्ट भी दिया गया है।

ऑप्टिमस को कलर के आधार पर चीजों को चुनने के लिए ट्रेन किया है। यह रंगों के ब्लॉक्स को खुद ही चुन कर अलग-अलग कर देता है। इसके अलावा, गलती होने पर यह खुद ही सुधार भी कर लेता है। इसे लो-स्किल्ड लेबर की जगह लेने के लिए विकसित किया जा रहा है।इसके ह्यूमनॉइड रूप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह सुपरमार्केट में खरीदारी से लेकर फैक्ट्री पोडक्शन लाइनों पर काम करने तक के ह्यूमन टास्क्स को पूरा कर सके।ह्यूमनॉइड रोबोट ऑप्टिमस को पहली बार अक्टूबर 2022 में हुए टेस्ला एआई डे इवेंट के दौरान पेश किया गया था। ये 5.8 फीट लंबा और करीब 50 किलो वजनी है। वहीं, 4 महीने पहले टेस्ला ने अपने ह्यूमनॉएड रोबोट की एक नई जनरेशन ऑप्टिमस जेन 2 को अनवील किया था। अपग्रेडेड मॉडल 30 प्रतिशत तेज चल सकता है और इसमें बेहतर संतुलन भी है। इसका वजन भी 10 किलो कम है। एलन मस्क ने रोबोट का वीडियो शेयर किया था।

मारुति को चौथी तिमाही में 48 प्रतिशत का मुनाफा कंपनी ने पूरे साल में 21.35 लाख गाड़ियां बेची

नई दिल्ली। भारत की कार बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी का मुनाफा 48त्न बढ़ गया है। कंपनी ने शुक्रवार 26 अप्रैल को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने बताया कि उसे इस तिमाही में 3878 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने ?2,623 करोड़ की कमाई की थी। इस वित्त वर्ष में मारुति ने 21,35,323 गाड़ियां बेची हैं।

वहीं पूरे वित्त वर्ष के लिए टैक्स के बाद का मुनाफा 64 प्रतिशत बढ़कर 13,209 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले यानी, वित्त वर्ष 2023 में ये 8,049 करोड़ रुपए था। मारुति ने अपने शेयरधारकों को 125 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड (लाभांश) देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

कंपनी ने अपनी अब तक की हाईएस्ट एनुअल सेल्स, एक्सपोर्ट, नेट सेल्स और नेट प्रॉफिट हासिल किया है। मारुति सुजुकी ने पूरे साल में कुल 21,35,323 गाड़ियां बेची। ये एक साल पहले की तुलना में ये 8.6 प्रतिशत की ग्रोथ है।

घरेलू बाजार में सेल्स 1,852,256 यूनिट रही, वहीं मारुति ने 283,067 गाड़ियां एक्सपोर्ट की। ये एक साल पहले की तुलना में 8.6 प्रतिशत की ग्रोथ है।

वित्त वर्ष 2025 में एक्सपोर्ट 3 लाख यूनिट पार होने की उम्मीद

मारुति को भरोसा है कि वित्त वर्ष 2025 में उसका एक्सपोर्ट 3 लाख यूनिट को पार कर जाएगा। मारुति ने 2030 तक एक्सपोर्ट को 8 लाख यूनिट करने का टारगेट रखा है। मारुति लगातार तीसरे साल भारत की सबसे ज्यादा ज्यादा कार एक्सपोर्ट करने वाली कंपनी रही है।

कलेक्टर, एसपी एवं सीईओ बासौदा में आयोजित स्वीप कार्यक्रमों में शामिल हुए

कलेक्टर वैद्य ने कार्यशाला को संबोधित कर शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया

विदिशा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज बासौदा विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान शासकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय पहुंचकर यहां आयोजित कार्यशाला में विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलओ, आंगनबाड़ी वर्कर समेत अन्य अधिकारी, कर्मचारियों को मतदान प्रतिशत कैसे बढ़े की क्रियान्वयन व्यवस्था पर गहन प्रकाश डालते हुए हंड्रेड प्रतिशत मतदान की पहल हेतु अभिप्रेरित किया है।

कलेक्टर वैद्य ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि अभी हाल ही में विधानसभा निर्वाचन में जिले में 80 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई देते हुए कहा कि लोकसभा निर्वाचन में इस बार शत प्रतिशत मतदान संभव हो इसके लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है उन्होंने सभी बीएलओ से कहा कि वह अपने निर्धारित मतदान केन्द्रों के मतदाताओं से अपील करें कि मतदान अवश्य करें। मतदाता सूची में मिलान कर जिन मतदाताओं ने पिछले निर्वाचन में मतदान नहीं किया था उन मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि विदिशा जिला सर्वाधिक मतदान वाला जिला बने इसके लिए नवाचार आवश्यक है।कलेक्टर वैद्य ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय समेत संपूर्ण जिले में वृहद स्तर पर स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल शनिवार से एक साथ वृहद स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन कर जिले के सभी 11 लाख 6 हजार 123 मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें के संदेशों का प्रसारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि तिथि बार आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में विदिशा करेगा शत प्रतिशत मतदान की थीम पर मेगा इवेंट 10 डेज कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विविध प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम जैसे मतदाता जागरूकता रैली, बाइक रैली, स्कूटी रैली, पैदल रैली, कार रैली, नुक्कड़ नाटक, मानव श्रृंखला, मतदान की शपथ, मतदाताओं को आमंत्रण समेत विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि जिलेभर में एक साथ एक ही थीम पर कार्यक्रमों का आयोजन कर जिले के सभी मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराया जाएगा। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने कहा कि मतदान के दौरान व पहले किसी भी प्रकार से अव्यवस्था ना हो इसके लिए तमाम सुरक्षा के चाक-चैबंद प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने भी मतदाताओं को बढ़-चढ़कर मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि पांच साल में यह मतदान का अवसर मिलता है इसके खोना नहीं है यही हम सबका नैतिक कर्तव्य है और कानूनन प्राप्त अधिकार का पूरा उपयोग करना है ऐसी प्रेरणा सभी मतदाताओं को दें।

जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने स्वीप गतिविधियों के तहत आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की रूपरेखा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम सबका यही ध्येये है कि विदिशा शत प्रतिशत मतदान से जाना जाए। इस ओर मतदाताओं को संदेश पहुंचाने के विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है उन्होंने आगामी दस दिवसीय कार्ययोजना पर गहन प्रकाश डाला।

रैली को हरी झंडी दिखाई -

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने बासौदा के लाल बहादुर शास्त्री शासकीय महाविद्यालय में आयोजित स्वीकृत गतिविधि कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं उन्होंने यहां आयोजित भव्य मोटरसाइकिल मतदाता जागरूकता दो पहिया वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला , जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट, बासौदा एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर विजय राय समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, बीएलओ मौजूद रहे। सेल्फी पॉइंट पर रही धूम - लोकसभा निर्वाचन 2024 में आगामी 7 मई को मतदान करने का संदेश देने विविध स्तर पर प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। इसी क्रम में बासौदा के एलबीएस कॉलेज में सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया था। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य आज यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे तो उन्होंने यहां स्थापित किए गए सेल्फी प्वाइंट की सराहना करते हुए सेल्फी पॉइंट पर पहुंचकर सेल्फी खिंचवाकर मतदान के महत्व को दर्शाया है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला एवं जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट ने भी सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी खिंचवाई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने की मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति व्यवस्थाओं की समीक्षा

ग्वालियर। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों के 21 सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 1680 मतदान केन्द्रों में चुनाव कराने के लिये तैनात किए गए मतदान दलों को ईवीएम सहित सभी प्रकार की मतदान सामग्री का वितरण 6 मई को एमएलबी कॉलेज से किया जायेगा। एमएलबी कॉलेज में ही 7 मई को मतदान के बाद ईवीएम व मतदान सामग्री प्राप्त कर विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखी जायेगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने शुक्रवार को मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। साथ ही वितरण व प्राप्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति के लिए बनाए जा रहे सेक्टर का भी जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर मतदान सामग्री का वितरण तेजी से और सावधानीपूर्वक किया जाए। प्रयास ऐसे हों, जिससे मतदान दलों को अपने सेक्टर में कम से कम बैठना पड़े और उन्हें जल्द से जल्द ईवीएम सहित समस्त मतदान सामग्री मिल जाए। साथ ही विशेष वाहनों द्वारा मतदान दलों को दोपहर से पहले ही मतदान केन्द्रों तक पहुँचाने का प्रयत्न करें। उन्होंने मतदान दलों के परिवहन के लिये लगाए गए छोटे-बड़े वाहनों की पार्किंग व्यवस्था सहित सामग्री वितरण व प्राप्ति से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। साथ ही निर्देश दिए कि पार्किंग व्यवस्था को इस प्रकार से अंतिम रूप दें, जिससे मतदान दल को निर्धारित वाहन पर पहुँचने में देरी न हो।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्देश दिए कि मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति स्थल पर हर सेक्टर के नजदीक पर्याप्त मात्रा में शीतल पेयजल की व्यवस्था की जाए। साथ ही चाय-नाश्ता के लिए अस्थायी कैन्टीन भी स्थापित करें। वितरण स्थल पर बड़े-बड़े फ्लैक्स लगाकर यह प्रदर्शित करें कि किस विधानसभा क्षेत्र के किस मतदान दल को किस सेक्टर में और कहां पर बैठना है। बैठक में निगम आयुक्त हर्ष सिंह, मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति व्यवस्था के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, टी एन सिंह व उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सहित जिले के एसडीएम, नगर निगम के अपर आयुक्त एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

मतदान दलों को मिलेगी वैलकम किट एवं जीवन रक्षक दवाईयां

मतदान दलों की हर सुविधा का ध्यान जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा रखा जा रहा है। सभी मतदान दलों के लिये जिला निर्वाचन कार्यालय ने नगर निगम के सहयोग से वैलकम किट तैयार कराई जा रही है। वैलकम किट में बिस्किट, नमकीन, टॉफियाँ व पानी की बोतल उपलब्ध रहेंगी। साथ ही हर मतदान दल को जीवन रक्षक दवाईयों की किट भी उपलब्ध कराई जायेगी। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्देश दिए कि वैलकम किट में गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री रखी जाए। प्रातः 6 बजे से होगा मतदान सामग्री का वितरण

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान सामग्री का वितरण एमएलबी कॉलेज परिसर से 6 मई को प्रातरू 6 बजे से शुरू होगा। मतदान दलों को ईवीएम सहित मतदान सामग्री वितरण करने के बाद विशेष वाहनों द्वारा संबंधित मतदान केन्द्रों के लिये रवाना करने का कार्यक्रम बनाया गया है।

मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में 20,04,688 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

श्योपुर, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन, 2024 के तहत निर्वाचन गतिविधियां संचालित है। मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में कुल 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में 20 लाख 4 हजार 688 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग 7 मई को करेंगे। इसके लिए संसदीय क्षेत्र की 8 विधानसभा क्षेत्रों में 2 हजार 362 मतदान केन्द्र बनाये गये है। जिनमें मुरैना जिले की 6 विधानसभा क्षेत्रों में 1706 मतदान केन्द्र और श्योपुर जिले की 2 विधानसभा क्षेत्रों में 656 मतदान केन्द्र बनाये गये है। इन मतदान केन्द्रों पर 10 लाख 70 हजार 467 पुरूष मतदाता और 9 लाख 34 हजार 198 महिला मतदाता एवं 22 थर्ड जेण्डर मतदाता है। मुरैना संसदीय क्षेत्र में इपिक रेश्यो 60.99 और जेण्डर रेश्यो 890 है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड ने बताया कि मुरैना- श्योपुर संसदीय क्षेत्र अंतर्गत शामिल श्योपुर जिले की दो विधानसभा क्षेत्रों में 5 लाख 14 हजार 234 वोटर्स है। जिसमें 02 लाख 67 हजार 674 पुरूष मतदाता तथा 02 लाख 46 हजार 557 महिला मतदाता तथा 03 थर्ड जेण्डर वोटर्स शामिल है, इसके अलावा 157 सर्विस वोटर भी है, जिनमें 153 पुरूष एवं 04 महिला सर्विस वोटर है। श्योपुर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 59 हजार 304 कुल मतदाता है, जिनमें 1 लाख 33 हजार 933 पुरूष तथा 01 लाख 25 हजार 370 महिला एवं एक थर्ड जेण्डर मतदाता है। इसके अलावा 54 सर्विस वोटर है, जिनमें 53 पुरूष तथा 01 महिला मतदाता शामिल है। विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 54 हजार 930 कुल मतदाता है, जिनमें 1 लाख 33 हजार 741 पुरूष तथा 1 लाख 21 हजार 187 महिला एवं दो थर्ड जेण्डर मतदाता है। इसके अलावा 103 सर्विस वोटर है, जिनमें 100 पुरूष तथा 03 महिला मतदाता शामिल है। श्योपुर जिले की दोनो विधानसभा क्षेत्रों में 656 मतदान केन्द्र बनाये गये है, इनमें 15 मतदान केन्द्र ऐसे है, जहां 300 से कम मतदाता है। 300 मतदाताओ से 1100 मतदाताओ की संख्या वाले मतदान केन्द्र 565 है, 41 मतदान केन्द्र 1100 से 1200 तक की मतदाता संख्या वाले है। 09 मतदान केन्द्रों में मतदाताओ की संख्या 1300 से 1400 के बीच है तथा 1400 से 1500 के बीच वाले मतदान केन्द्र 03 है। लोकसभा निर्वाचन के तहत 100 मतदान केन्द्र महिला अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित बनाये गये है, इन मतदान केन्द्रों पर निर्वाचन की समस्त प्रक्रिया महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संपन्न कराई जायेगी। इसके अलावा सुरक्षाकर्मी के रूप में भी महिला पुलिसकर्मी रहेंगी। इसके साथ ही 50 मतदान केन्द्रों को आदर्श मतदान केन्द्र के रूप में बनाया गया है। 05 दिव्यांग बूथ भी बनाये गये है, जिनका संचालन दिव्यांग मतदान अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा।

मतदान दलो का प्रशिक्षण 27 एवं 28 को

श्योपुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत गठित मतदान दलो का प्रशिक्षण 27 एवं 28 अप्रैल को पीजी कॉलेज श्योपुर में आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण नोडल एवं सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत श्योपुर एवं विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए गठित मतदान दलो में शामिल पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी क्रमांक-1, क्रमांक-2 एवं क्रमांक-3 के लिए 27 एवं 28 अप्रैल को दो पालियो में प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रथम पाली में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 02 बजे से सांय 5.30 बजे तक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

विक्टर स्कूल के छात्रों का कक्षा 10वीं और 12वीं में आया 100 प्रतिशत रिजल्ट

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जिले की 39 वर्ष पुरानी सफल शिक्षण संस्था विक्टर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल का परीक्षा परिणाम वर्षो से सफल रहा है। अभिभावकों के विश्वास को कायम रखते हुए इस बार भी मप्र बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत आया है। कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम इस प्रकार है जिसमें मुदिता मित्तल 94.2, हर्षित परमार 92.2, कनन शिवहरे 91.6, नंदिनी शर्मा 91.4 एवं नित्या राजपूत ने 89.8 प्रतिशत हासिल की है।

इसी प्रकार कक्षा 12वीं का रिजल्ट इस प्रकार है जिसमें गणित संकाय से गौरव श्रीवास ने 92.6, मुकुल यादव ने 92.4, जीव विज्ञान संकाय से दीपिका गुप्ता ने 90.8, गणित संकाय से नेमीचंद जैन ने 87.4, जीव विज्ञान से अक्षरा जैन ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। विक्टर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल इन सभी होनहार विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता है एवं भविष्य में निरंतर नित नई ऊँचाईयों को

जैन मंदिर में हुआ 48 दिवसीय श्री भक्तांबर महामंडल विधान का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। भक्ति में ही शक्ति हैं और जो शक्ति भगवान में हैं वह शक्ति आपके अंदर भी आ सकती हैं। यह आपके ऊपर निर्भर हैं कि आपके अंदर जो शक्तियां हैं आप उन में से कितना ले पाते हैं। यह बात जैन साध्वी विश्रेय श्री माताजी ने श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर परेट पर आयोजित श्री भक्तांबर महामंडल विधान के समापन अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि आचार्य मानतुंगाचार्य की भक्ति में वह शक्ति थी कि उन्होंने अपने हृदय में भगवान को विराजित कर उनकी भक्ति में भक्तामर स्त्रोत की रचना कर दी। साध्वी श्री ने कहा कि जो प्रभु का गुणगान, स्तुति, भक्ति समर्पित होकर करता है वह भगवान का प्रिय होता है। भक्ति वह है जो अंतरंग से होती है, समर्पण के साथ होती है। उन्होंने बताया कि भक्तामर स्तोत्र मंत्र का यदि 100 बार जाप करके जल आंखों पर लगाते हैं तो यह औषधि का काम करता है। भक्तामर स्तोत्र भक्ति प्रधान स्तोत्र है, जैन धर्म काव्य परंपरा में भक्तामर स्तोत्र की अपनी महानतम महिमा और गरिमा हैं। भक्तामर महापूजन का फल पुण्यदायी है। पूजा से मन को शांति मिलती है। शरीर के रोग आदि व्याधि दूर होती है। इसमें जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव परमात्मा के 48 श्लोक हैं। प्रत्येक के मंत्रोच्चार के साथ पूजा अभिषेक होता है। इससे जीवन में संकष्ट दूर होते हैं। और सुख समृद्धि आती है।

वही आयोजनों में भक्तिमय 48 महाकाव्यों के दोहों पर ऋद्धि सिद्धी मंत्रो उच्चारणो के साथ 48 परिवारों, ने 48 श्रीफल के साथ भगवान आदिनाथ की संगीतमय भक्ति करते हुए माढ़ने पर अर्ध्य समर्पित कर भक्तामर विधान महाअर्चना की जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

ट्रांसफार्मर, पोल के पास ठेले न लगाएं, हो सकती है दुर्घटना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि व्यापारीगण या फेरी वाले बिजली के वितरण ट्रांसफार्मर एवं पोल के आसपास हाथ ठेले या गुमठियां न लगाएं। ऐसा करने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

विद्युत वितरण कंपनी का कहना है कि कई स्थानों पर ऐसा देखने में आ रहा है, ऐसा करके लोग जहां अपनी जान को जोखिम में डाल रहे हैं, वहीं इस तरह से बिजली के खंभों या ट्रांसफार्मर से सटाकर ठेले पर सामान बेचना नियमों के विपरीत भी है। इसलिए यदि कहीं पर भी इस तरह की गतिविधियां हो रही हों तो स्वयं ही उन्हें हटा लें, अन्यथा विद्युत वितरण कंपनी को कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

संकट में भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं हनुमानः बालगुरु

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। विश्व शांति जगत कल्याण की कामना के लिए किला बस्ती में लगभग 400 वर्ष प्राचीन बोर्डिंग वाले हनुमान जी मंदिर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन शुक्रवार को प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मंदिर के महंत बाल गुरु ने कहा कि संकटकाल में हनुमान जी सदैव भक्तों की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। इसलिए बल-बुद्धि, विद्या प्राप्त करने के लिए हनुमान जी की शरण में जाना चाहिए। भूत-प्रेत बाधा, शनि की महादशा में कष्ट निवारण के लिए भी हनुमान की आराधना श्रेष्ठ उपाय है।बालगुरु ने कहा कि कलयुग में राम भक्त हनुमान जी की आराधना परम कल्याणकारी है। गौरतलब है कि नगर की किला बस्ती में स्थित बोर्डिंग वाले हनुमान जी मंदिर पर भक्त जनों द्वारा शुक्रवार को विधिवत पूजन पाठ के उपरांत अखंड रामायण का पाठ शुरू किया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में मौजूद भक्तजनों ने भगवान श्री बजरंगबली से देश में अमन चैन एवं खुशहाली की दुआ मांगी और रामायण पाठ का वाचन किया।

दुबई में मुरैना के विनोद ने जीता सिल्वर मेडल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दुबई में आयोजित अंडर-20 मेंस एथलेटिक चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मुरैना के विनोद कुशवाहा पुत्र मातादीन कुशवाह जो कि मुरैना में चुटिया निक नाम से प्रसिद्ध हैं ने दुबई में आयोजित एथलेटिक प्रतियोगिता में 5000 हजार मीटर दौड़ में 14 मिनट 09 सेकंड में दौड़ पूरी कर सिल्वर मेडल जीतकर मुरैना का नाम रोशन किया।

यह जानकारी स्थानीय स्तर पर विनोद के कोच नरेन्द्र सिंह तोमर ने दी। ज्ञात हो कि अंकित शर्मा के बाद मुरैना के किसी भी खिलाड़ी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले यह पहले खिलाड़ी हैं। विनोद के द्वारा खेल और युवा कल्याण विभाग में पदस्थ (Nis coach) नरेंद्र सिंह तोमर के सानिध्य में खेल कौशल सीखा और एमपी अकादमी के कोच संदीप सर ने उनके खेल में चार चांद लगा दिए और आज उसी का परिणाम है कि एशियन चैंपियनशिप में मेडल जीतकर भारत का नाम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।

इस अवसर पर जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्य पालन अधिकारी इच्छित गढ़पाले, खेल अधिकारी प्रशांत कुमार कुशावाह, श्याम सिंह सिकरवार, जितेन्द्र शुक्ला, दिव्यांशी बघेल, सोनल बंसल, विनोद और उनके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई दी।

छत ढलाई के लिए रखी शटरिंग की 137 प्लेट चोरी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/बागचीनी। बागचीनी चौखट्टा पर निर्माणाधीन दुकानों की छत की ढलाई के लिए ठेकेदार द्वारा लाकर रखी गई शटरिंग की 137 प्लेट चोरी हो गई। जिनकी कीमत 2 लाख रूपये बताई जा रही है। ठेकेदार ने बागचीनी पुलिस को आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

पुलिस को दिए गए आवेदन में शटरिंग ठेकेदार रविशंकर शर्मा 40 पुत्र द्वारिका शर्मा निवासी हड़बांसी ने बताया कि उसके द्वारा मजदूर लगाकर छत्तों की ढलाई का कार्य किया जाता है। रविशंकर ने बागचीनी चौखट्टा पर हड़बांसी के वीरू शर्मा द्वारा बनाई जा रही दुकानों की छत्त की ढलाई का ठेका लिया था। जिसके लिए रविशंकर ने तीन दिन पहले शटरिंग कार्य में उपयोग होने वाली लोहे की प्लेटों सहित अन्य सामान साइट पर पहुंचा दिया था। 27 अप्रैल को जब रविशंकर शटरिंग का काम चालू करने साइट पर पहुंचा तो वहां से लोहे से बनी 137 प्लेट गायब थी। आसपास तलाश करने पर भी उसे प्लेटों के बारे में जानकारी नहीं मिली। तब उसने बागचीनी थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन दिया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था।

चंबल डिवीजन ने इंदौर को एक तरफा मुकाबले में हराया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भोपाल में चल रहा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-18 एस.एम. खान एक दिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल में इंदौर को एक तरफा मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट पर कब्जा किया। भोपाल की फेथ ग्राउंड पर चल रहे फाइनल मुकाबले में आज सुबह चंबल की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और चंबल के बल्लेबाजों ने कप्तान स्पर्श धाकड़ के इस फैसले को सही सिद्ध करते हुए अरुण प्रताप ने शानदार 109 और मनल चौहान ने नॉट आउट 110 रन बनाए। जिसकी मदद से चंबल डिवीजन ने निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 308 रन बनाए। जवाब में इंदौर की पूरी टीम 41.01 ओवर में महज़ 207 रनों पर आउट हो गई और इस तरीके से यह मुकाबला चंबल डिवीजन ने 101 रन से जीतकर टूर्नामेंट पर कब्जा किया। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच दोनों शतक वीर बल्लेबाज मनल चौहान और अरुण भदोरिया रहे।

ग्राम पंचायत बरबाई में मतदाताओं को वोट डालने के लिये प्रेरित किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार मुरैना जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़े, इसके लिये स्वीप की गतिविधियां संचालित की जा रही है।

सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप के नोडल अधिकारी डॉ. इच्छित गढ़पाले के मार्गदर्शन में जनपद पोरसा की ग्रामपंचायत बरवाई में शहीद स्मारक पर स्वीप सखी एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया। जिनमें अपने बूथ की साफ-सफाई, बैनर लगाकर रैली निकाली गई। इसके साथ ही स्वीप गीत, स्लोगन का पाठ कराना, रंगोली निर्माण और निष्पक्ष मतदान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर डीपीएम दिनेश सिंह तोमर सहित 156 समूह की महिलायें एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नीरज प्रजापति ने कक्षा 10वीं में 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नाम रोशन किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना जिले से लगभग 45 किलोमीटर दूर अम्बाह तहसील के ग्राम बरबाई निवासी 15 वर्षीय छात्र नीरज पुत्र हरिओम प्रजापति ने कक्षा 10वीं में 91.4 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने परिवार का ही, बल्कि पूरे बरबाई गांव का नाम रोशन किया है।

नीरज पुत्र हरिओम प्रजापति बताते हैं, कि हमेशा से मेरी पढ़ाई में रूचि रही है। मैंने वर्ष 2023-24 की परीक्षा विगत फरवरी 2024 में दी थी। मुझे उम्मीद थी, कि मेरा रिजल्ट बहुत की अच्छा आयेगा। कक्षा 10वीं का रिजल्ट 25 अप्रैल, 2024 को सायं 4 बजे घोषित हुआ, तबमेरे सीएस पब्लिक स्कूल के संचालक ने फोन करके बताया कि आपका रिजल्ट आ चुका है और आपने स्कूल का ही नहीं, बल्कि पूरे गांव बरबाई का नाम रोशन किया है। यह बात सुनकर नीरज की आंखों में खुशियों के आंसू झलक उठे। नीरज प्रजापति ने बताया कि मैं केवल अपने गांव का ही नहीं, बल्कि जिले का टॉपर बनना चाहता था, लेकिन मेरे घर की कुछ आर्थिक परिस्थितियां ठीक नहीं थी। मैं पूर्वान्ह 11:30 बजे स्कूल से घर आता था। खाना खाकर तुरंत दोपहर 2 बजे तक पढ़ाई करता था। मैं अपने बरबाई गांव से 8 किलोमीटर दूर अम्बाह कोचिंग पढ़ने के लिये साइकिल से जाता था, कभी-कभी तो मैं कोचिंग पढ़ने के लिये पैदल भी जाता था। मैंने अम्बाह में ही गणित और अंग्रेजी विषय की कोचिंग ली। फिर में शाम को खाना खाकर 7 बजे से रात्रि 12.:30 बजे तक पढ़ाई करता था। नीरज ने बताया कि मैं पूरे 24 घंटो में केवल 6 घंटे ही सोता था। मैं अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र हूं, मैं हमेशा से ही अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहता हूं। जिसके लिये मुझे जितनी भी मेहनत करनी पढ़े, मैं करूंगा।

नीरज प्रजापति ने बताया कि मेरी हमेशा से ही पढ़ाई में रूचि रही है। मेरे पिता जी खेती-किसानी का कार्य करते हैं।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता लागू है। संपूर्ण निर्वाचन कार्यक्रम के दौरान राजनैतिक दलों, सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों से आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित किए जाने की अपेक्षा की गई है। राजनैतिक दलों, चुनाव लड़ रहे अभ्यर्थियों एवं आम नागरिकों से कहा गया है कि वे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर किसी भी प्रकार से आपत्तिजनक पोस्ट न करें, तथ्यों, चित्रों, ऑडियो, वीडियो को तोड़-मरोड़कर पोस्ट न करें, जिससे सामाजिक, धार्मिक या व्यक्तिगत दुवेश उत्पन्न होने की आशंका है। ऐसा किए जाने पर आईटी एक्ट एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राजनैतिक दलों से अपेक्षा की गई है कि सभाओं, रैलियों, जुलूस के रूप में चुनाव प्रचार एवं जनसंपर्क के दौरान किसी भी प्रकार की विवादित टिप्पणियों अथवा व्यक्तिगत आरोपों से बचें। बिना अनुमति के रैली, जुलूस, सभा, प्रदर्शन अथवा वाहनों के माध्यम से प्रचार न करें। आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित करें। पर्याप्त निगरानी किये जाने एवं अवांछनीय गतिविधियों पर पैनी नजर रखने निगरानी दलों का गठन किया गया है।

200 मीटर के दायरे के बाहर ही स्थापित किये जा सकेंगे उम्मीदवारों के निर्वाचन बूथ

स्थानीय निकायों से भी लेनी होगी भूमि के उपयोग की अनुमति

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। लोकसभा चुनाव के तहत मतदान के दिन मतदाताओं को गैर सरकारी पहचान पर्चियां बांटने के लिए उम्मीदवारों को अपने निर्वाचन बूथ मतदान केन्द्रों के 200 मीटर के दायरे के बाहर ही स्थापित करने की अनुमति होगी। इस संबंध में निर्वाचन आयोग ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि मतदान दिवस पर उम्मीदवार अपने एजेन्टों और कार्यकर्ताओं के लिए मतदान केन्द्र से 200 मीटर की दूरी के बाहर मतदाताओं को गैर सरकारी पहचान पर्चियां बांटने के लिए एक छतरी अथवा त्रिपाल के नीचे केवल एक मेज तथा दो कुर्सी रख सकते हैं, ताकि वे अपना सिर धूप या वर्षा से बचा सकें। ऐसी मेज के आसपास भीड़ इकट्ठी नहीं होगी।

आयोग ने मतदान के दिन कानून व्यवस्था बनाये रखने के मद्देनजर उम्मीदवारों के निर्वाचन बूथों की स्थापना के लिए दिशा-निर्देश भी दिये हैं। इन दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि मतदान केन्द्र के 200 मीटर के भीतर कोई बूथ स्थापित नहीं किया जायेगा। एक ही परिसर में एक से अधिक मतदान केन्द्र होने की स्थिति में भी ऐसे परिसरों से 200 मीटर की दूरी पर मतदान केन्द्रों के लिए एक उम्मीदवार का एक ही बूथ बनाया जायेगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक ऐसे बूथों पर केवल दो कुर्सियों और एक मेज ही रखी जायेगी। ऐसे बूथों पर कनात नहीं लगाई जा सकेगी। केवल धूप या वर्षा से बचने के लिए एक छतरी या त्रिपाल का टुकड़ा लगाया जा सकेगा। आयोग ने कहा है कि गैर सरकारी मतदाता पहचान पर्चियां बांटने के लिए ऐसे बूथ बनवाने की इच्छा रखने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को लिखित रूप में रिटर्निंग ऑफीसर को उन मतदान केन्द्रों के नाम और क्रम संख्या बतानी होगी, जहां बूथ स्थापित करवाये जाने हैं।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि निर्वाचन बूथ स्थापित करवाने से पहले उम्मीदवार को स्थानीय कानून के अधीन भूमि के उपयोग के लिए सरकारी प्राधिकरणों अथवा नगर निगमों, नगर पालिकाओं, जिला परिषदों, शहरी क्षेत्र समितियों, पंचायत समितियों आदि की लिखित अनुमति भी लेनी होगी। बूथ प्रबंधकों को मांगे जाने पर इस प्रकार की लिखित अनुमति पुलिस अथवा निर्वाचन प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत भी करनी होगी। उम्मीदवारों द्वारा इन निर्वाचन बूथों का इस्तेमाल केवल गैर सरकारी पहचान पर्चियां जारी करने के एकमात्र प्रयोजन के लिए किया जा सकेगा। ये गैर सरकारी पहचान पर्चियां भी केवल आयोग के आदेशानुसार ही मुद्रित कराई जायेंगी जिन पर अभ्यर्थी का नाम या प्रतीक अथवा राजनैतिक दल का नाम नहीं होना चाहिए।निर्वाचन आयोग ने कहा कि किसी भी स्थिति में ऐसे बूथों पर भीड़ इकट्ठी होने की अनुमति नहीं होने दी जायेगी। न ही ऐसे व्यक्ति को आने की अनुमति दी जायेगी, जो पहले ही मतदान कर चुका हो। आयोग ने यह भी कहा है कि बूथों पर बैठे व्यक्ति मतदान केन्द्रों पर जाने वाले मतदाताओं के रास्ते में किसी तरह की रूकावट नहीं डालेंगे अथवा दूसरे उम्मीदवारों के बूथों पर जाने से उन्हें नहीं रोकेंगे। मतदाताओं को स्वयं उनकी इच्छानुसार मताधिकार का प्रयोग करने में किसी प्रकार रूकावट भी निर्वाचन बूथों में बैठे कार्यकर्ता नहीं डाल सकेंगे।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि इन निर्देशों का उल्लंघन अत्यधिक गंभीरता से लिया जायेगा। ऐसे उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार अभ्यर्थी और उनके अभिकर्त्ताओं के विरूद्ध कानून के अधीन कड़ी कार्रवाई की जायेगी तथा बूथों को हटा दिया जायेगा। आयोग ने चुनावी व्यवस्था में लगे शासकीय अधिकारियों को भी चेतावनी दी है कि यदि वे आयोग के निर्देशों का उल्लंघन पाये जाने पर तत्काल कार्रवाई करने में असफल रहते हैं तो इनके खिलाफ भी दाण्डिक कार्रवाई की जायेगी और उन्हें अनुशासनिक कार्रवाई का भागी भी बनना होगा

भाजपा नेताओं ने घर-घर पहुंचाई मोदी की राम-राम, वार्ड 35 में किया सघन जनसंपर्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुरैना-श्योपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर

के समर्थन में गत दिवस वार्ड क्र. 35 में चन्द्रपाल सिंह सिकरवार के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा नेताओं के साथ सघन जनसंपर्क किया गया। इस अवसर पर रविन्द्र सिंह मावई, जाफर बेग, भूप सिंह रजक, दिमनी के महेन्द्र यादव, मीना भदौरिया, गुड्डी रजक, सोनेराम प्रजापति आदि मौजूद थे।

इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गत दिवस मुरैना में ली गई विशाल जनसभा में कहा गया था कि घर-घर मेरी राम-राम पहुंचा देना। इसी बात को भाजपा नेताओं ने लोगों तक पहुंचाया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने वार्ड क्र. 35 के मतदाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे नेता हैं। उनके द्वारा भारत का मान व सम्मान पूरे विश्व में बढ़ाया गया है। देश की सीमाओं की रक्षा करने के लिए सेना को और मजबूत किया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नारीशक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया है। घर-घर शौचालय बनाने का कार्य भी प्रधानमंत्री द्वारा किया गया है। भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता को देखकर कांग्रेस के लोग बुरी तरह घबरा गए हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी को लेकर अनर्गल बयानबाजी करने में लगे हुए हैं। लेकिन आगामी 7 मई को हमारा मतदाता उन्हें जवाब देगा। जनसंपर्क के दौरान भाजपा नेताओं ने सभी मतदाताओं से यह आग्रह भी किया कि मतदान वाले दिन वे कमल के फूल के सामने वाला बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के पक्ष में मतदान करें व देश के विकास में सहभागी बनें।

कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार ने अम्बाह क्षेत्र में किया सघन जनसंपर्क

मुरैना। कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार (नीटू) द्वारा गत दिवस अम्बाह क्षेत्र के ग्राम गरीब

पुरा, खांद का पुरा, बड़ापुरा, चिते का पुरा, वित्त का पुरा आदि में सघन जनसंपर्क किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों लोग मौजूद थे। जनसंपर्क के दौरान श्री नीटू ने मतदाताओं से कहा कि अंचल का विकास कराने में कांग्रेस का महत्वपूर्ण योगदान है। लेकिन भाजपा के शासनकाल में यहां का विकास अवरुद्ध हो गया है। यदि आप लोग विकास की धारा को पुनः बहाना चाहते हैं तो कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास विकास की कोई कार्ययोजना नहीं है। भाजपा के लोग सिर्फ जुमलेबाजी करते हैं। गत दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयोजित जनसभा के दौरान सिर्फ और सिर्फ बेकार की बातें कीं। वे महंगाई पर नहीं बोले, युवाओं को रोजगार देने के मामले में चुप रहे। उनके पास विकास का कोई रोडमैप नहीं है। क्षेत्र की जनता भाजपा की नीति व नीयत दोनों को समझ चुकी है। इसका जवाब अंचल की जनता मतदान वाले दिन देगी। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि वे आगामी 07 मई को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें ताकि आप सभी लोग विकास कार्यों में सहभागी बन सकें।

बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग पहुंचे करह आश्रम, मतदाताओं से मिले

मुरैना। बहुजन समाज पार्टी द्वारा घोषित मुरैना-श्योपुर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार रमेश गर्ग ने गत

दिवस करह आश्रम पहुंचे, जहाँ उन्होंने बाई महाराज से आशीर्वाद गृहण किया। तत्पश्चात् श्री गर्ग मतदाताओं के मध्य पहुंचे जहाँ उन्होंने सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से कहा कि रविवार को बसपा सुप्रीमो बहिन कु. मायावती मुरैना आ रही हैं। आप सभी लोग उनकी जनसभा में पहुंचें। श्री गर्ग ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी सभी वर्गों का भला चाहती है। बहुजन समाज पार्टी ने कभी भी एक वर्ग की राजनीति नहीं की। उन्होंने कहा कि ठीक इसके विपरीत कांग्रेस व भाजपा ने हमेशा लोगों को बरगलाने का कार्य किया है। लेकिन अब जागरुक मतदाता उनकी चालों को समझ चुका है और अब वह बहकावे में नहीं आयेगा। श्री गर्ग ने कहा कि यदि आप लोगों ने मुझे चुनाव जिताया तो मैं अंचल का समग्र विकास कराने में पीछे नहीं हटूंगा। अंचल के युवाओं को रोजगार दिलाने की दिशा में कार्य करूंगा। अंत में उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे आगामी 07 मई को होने वाले मतदान के दिन हाथी के सामने वाला बटन दबाकर विकास कार्य में सहभागी बनें।

नगरा पुलिस ने फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को धर दबोचा, हथियार बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिहं चौहान द्वारा जिला में ईनामी फरारी बदमाशा एवं स्थायी वारंटियो की धरपकड़, अवैध हथियार तस्करों, अवैध शराब, मादक पदाथा की तस्करी एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु सम्पूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुरैना डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अम्बाह रवि सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिला मुरैना के अंतर्गत आपराधिक तत्वों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह कि थाना नगरा में फरियादी जितेन्द्र उर्फ जीतू तोमर निवासी लालपुरा के घर के सामने शिव मन्दिर

पर अखण्ड रामायण पाठ चल रहा था, तभी दिनांक 23/04/2024 के शाम करीबन 4 बजे गांव के ही गोविन्द्र शर्मा पुत्र राकेश शर्मा व अमन सिकरवार पुत्र श्याम सिह सिकरवार, सुनील सिह तोमर निवासीगण ग्राम लालपुरा थाना नगरा द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर अखण्ड रामायण पाठ के समय फरियादी के घर के सामने पहुंचे और फरियादी के साथ मारपीट की व उसके परिवार की महिलाओं के साथ गाली-गलौच कर बंदूको से हवाई फायर किये, जिससे अखण्ड रामायण पाठ पर बठे फरियादी व फरियादी के परिजन हो गए थे साथ ही आरोपीगण द्वारा जाते समय फरियादी पक्ष को जान से मारने की धमकी दी, फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर से थाना हाजा पर अपराध क्र. 51/24 धारा 323, 294, 336, 506, 34 ता.हि. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौराने विवेचना मुखबिर की सूचना पर से प्रकरण के 02 आरोपीगण गोविन्द्र शर्मा पुत्र राकेश शर्मा व अमन सिकरवार पुत्र श्याम सिह सिकरवार निवासीगण लालपुरा को गिरफ्तार कर आरोपीगण के कब्जे से क्रमशः अवैध हथियार एक 315 बोर बंदूक व 2 जिन्दा राउण्ड एवं एक 12 बोर बंदूक व 2 जिन्दा राउण्ड को जप्त किया गया एवं आरोपिया को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

ससुराल से लौटा घर, परिजन से कहा नहीं बचूंगा, सुबह हुई मौत

पोरसा क्षेत्र के भजपुरा गांव में हुई घटना, पुलिस जांच में जुटी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/पोरसा। 18 अप्रैल को साले की शादी में शामिल होने के लिए ससुराल गया युवक 24 अप्रैल की शाम को भजपुरा पोरसा स्थित अपने घर पहुंचा। उसने परिजन से रात को कहा कि ससुरालीजनों ने उसे कुछ खिला दिया है, अब मैं नहीं बचूंगा। रात में अचानक उसकी तबियत बिगड़ी और सुबह अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक भजपुरा पोरसा निवासी संजय श्रीवास 31 पुत्र कृपाराम श्रीवास कस्बा पोरसा में हेयर सैलून चलाता था। 18 अप्रैल को संजय के साले की शादी थी। शादी में शामिल होने के लिए संजय दीनदयाल नगर ग्वालियर स्थित अपनी ससुराल गया था। वहां से संजय 24 अप्रैल की शाम को लौटकर भजपुरा पहुंचा। घर पहुंचकर शाम को संजय ने अपने परिवारीजनों से कहा कि ससुरालीजनों ने उसे कुछ खिला दिया है, अब वो नहीं बचेगा। जिसके बाद रात को अचानक संजय की तबियत खराब हो गई। परिजन उसे पोरसा अस्पताल ले गए, जहां से मुरैना रैफर कर दिया गया। मुरैना में चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए ग्वालियर रैफर किया। लेकिन ग्वालियर पहुंचने से पहले ही संजय की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मलेरिया रैली को सीएमएचओ डॉ. राकेश शर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व मलेरिया दिवस 2024 के रूप में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष मनाया जा रहा है। 24 अप्रैल, 2024 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने विश्व मलेरिया दिवस 2024 के प्रचार-प्रसार के लिये जनसमुदाय को जागरूक करने हेतु रैली को हरी झण्डी दिखाई दिखाकर रवाना किया। इस अवसर परऐपिडिमोलॉजिस्ट एवं सहायक मलेरिया अधिकारीडॉ महेंद्र सिहं यादव, श्रीमती बंसती बाजोरिया, समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व मलेरिया दिवस 2024 प्रचार-प्रसार की रैली मुरैना शहर में निकाली गई। मलेरिया की रोकथाम के लिये जनसमुदाय को प्रचार-प्रसार के माध्यम से मलेरिया की बीमारियो की रोकथाम की जानकारी दी गई। मलेरिया का मच्छर का जीवन

चक सात दिवस का होता है, पहले लार्वा, फिर प्यूपा एवं एल्डट मच्छर हो जाता है। जिसके काटने से मलेरिया हो सकता है। बुखार आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जॉच व दवा लेने की सलाह दी। जो कि सभी स्वास्थ्य केंद्रो पर निःशुल्क उपलब्ध है। सप्ताह में एक दिन 10 मिनिट अपने घर के आस-पास, घर में कूलर, सीमेंट टंकी, छत पर रखे पुराने डिब्बे, अन्य टूटा सामान, पानी इकठ्ठा न होने दे, भरे पानी को खाली करे, फूल आस्तीन के कपडे पहने, अपने घर की खिड़की पर मच्छर जाली लगाये। नीम के पत्ते का धुंआ, दिन व रात में मच्छरदानी के उपयोग करने की सलाह दी गई।यह भी बताया गया लार्वा केसे नष्ट किया जाये, लावा नष्ट के लिये जला हुआ ऑयल डाले, वर्षा का पानी छोटे-छोटे गड्ढो में भर जाता है, उस गड्ढे को मिटटी डालकर भर दें। मलेरिया की रोकथाम के लिये प्रचार-प्रसार का कार्य कार्यालय मलेरिया अधिकारी जिला मुरैना की टीम द्वारा सघन लार्वा सर्वे का कार्य मुरैना शहरी क्षेत्र जीवाजीगंज, पुरानी सब्जी मण्डी क्वाटर, गांधी कॉलोनी, गोपालपरा, गणेशपुरा, संजय कालोनी, प्रेमनगर, गणेशपुरा आदि में किया जा रहा है।

स्व. बालकृष्ण माफीदार की स्मृति में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। शहर के प्रख्यात बाल्य एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास शर्मा के पिताजी समाजसेवी स्व. बालकृष्ण शर्मा माफीदार की तृतीय पुण्यतिथि के मौके पर शुक्रवार को लालौर गांव के गुर्ज वाले बाबा के मंदिर पर बच्चों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास शर्मा के द्वारा तकरीबन 350 बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान बच्चों को निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर का आयोजन सुबह 7 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक हुआ। शिविर के आयोजन में रोमेश शर्मा, अजय शर्मा, जीतू प्रजापति, संदीप शर्मा, राजा जैन, मनीष शर्मा, संजय यादव आदि का विशेष योगदान रहा है।

मप्र शिक्षक संघ ने पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। प्राकृतिक संसाधनों के साथ पृथ्वी हमें ऐसी तमाम चीजें प्रदान करती है, जिससे मानव जीवन बेहतर होता है। लेकिन समय के साथ इंसान के बढ़ते लालच ने पृथ्वी को नुकसान भी पहुंचाया है। जंगलों की कटाई, असीमित जल दोहन और बढ़ता प्रदूषण पर्यावरण संतुलन के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जलवायु परिवर्तन के कारण धरती के औसत तापमान में जिस प्रकार बढ़ोतरी हो रही है यह पूरी मानव सभ्यता के लिए चुनौती बन गया है। पृथ्वी को फिर से शुद्ध व समृद्ध बनाने हम सबको ग्रीन ऊर्जा, वनीकरण को बढ़ावा और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यह बात मप्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेशसिंह सिकरवार ने कही। संभागीय अध्यक्ष डॉ. सिकरवार हाइस्कूल गलेथा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर मप्र शिक्षक संघ द्वारा अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल जनकल्याण सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे रहे थे। संभागीय अध्यक्ष डॉ. सिकरवार ने कहा कि पर्यावरण बचाने से ही भावी पीढ़ियां सुरक्षित रह सकेंगीं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण लगातार पृथ्वी के तापमान में वृद्धि हो रही है। इसमें

मानवीय क्रियाकलापों का बहुत बड़ा हाथ है। पृथ्वी के संतुलन को कायम रखने के लिए हम सबको इस कार्य की शुरूआत खुद से करनी होगी। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को एक बेहतर निवास बनाने के प्रति प्रतिबद्ध होने की जरूरत है। पृथ्वी के पर्यावरण को बचाने के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते, तो कम से कम इतना तो करें कि पॉलिथीन के उपयोग को नकारें, कागज का इस्तेमाल कम करें और रिसाइकल प्रक्रिया को बढ़ावा दें, क्योंकि जितनी ज्यादा खराब सामग्री रिसाइकल होगी, उतना ही पृथ्वी का कचरा कम होगा। धरती पर प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, कोयला, पेट्रोलियम, वन संपदा सीमित है। इनका विवेकपूर्ण उपयोग करें। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में अधिक गंभीरता दिखाने की जरूरत है।

शिक्षक विनोद सिकरवार ने कहा कि आज समूचा विश्व वातावरण के प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। वैज्ञानिक तरक्की, आर्थिक विकास और बढती आबादी ने इसे प्रकृति और प्राकृतिक स्रोतों से वंचित करना शुरू कर दिया है। इस अवसर पर पौधरोपण भी किया और पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर प्रमुख रूप से गिरीश शर्मा, रामबरन शर्मा, विनोद सिकरवार, रश्मि अग्निहोत्री, शिवराज जालौन, ज्योति, कुबेर खरे, रवि राजपूत, राजेन्द्र शर्मा,भारत सिंह, मनमोहन, रामलखन सहित छात्र, ग्रामीणजन, शिक्षक, छात्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

द्वि-मुखी गाय की परिक्रमा देती है पृथ्वी की परिक्रमा समान पुण्यः राघवाचार्य

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। जींगनी गांव स्थित ब्रह्मबालाजी मंदिर पर चल रही श्रीराम कथा के पांचवें दिन स्वामी राघवाचार्य महाराज ने कहा कि द्वि-मुखी गाय की परिक्रमा करने से पृथ्वी की परिक्रमा करने के समान पुण्य प्राप्त होता है। जबकि ऐसी गाय का दान करने से संपूर्ण भूमि का दान करने के बराबर पुण्य फल की प्राप्ति होती है। कथा का रसपान कराते हुए स्वामी राघवाचार्य महाराज ने कहा कि सत्संग करने से मनुष्य का बेड़ा पार होता है। स्वामी राघवाचार्य महाराज ने शुक्रवार को भगवान श्रीराम द्वारा गौतम नारी के उद्धार की कथा का भी वर्णन किया। शुक्रवार को कथा में लहार के विधायक अंबरीष शर्मा गुड्डू भी शामिल हुए। उन्होंने कथा का श्रवण करने के बाद स्वामी जी का आशीर्वाद भी प्राप्त

जौरा पहुंचा पगारा डैम से पानी, नैपरी-सिकरोदा पुल बनेः शिवमंगल सिंह तोमर

भाजपा उम्मीदवार ने जौरा विधानसभा के दो दर्जन गांवों में किया सघन जनसंपर्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। जौरा कस्बे की जनता पेयजल की समस्या से बरसों से जूझ रही थी। रियासतकालीन नैपरी, सिकरोदा पुलों के संकरे एवं जर्जर होने के कारण इस क्षेत्र के लोगों को आवागमन के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देकर जब प्रदेश में सत्ता की कमान सौंपी तो भाजपा की सरकार ने जनता के दर्द को समझा। आज जौरा नगर की जनता को पगारा डैम से पीने के लिए शुद्ध पेयजल मिल रहा है। नैपरी और सिकरोदा पर नवीन पुलों का निर्माण होने से आवागमन सुलभ हुआ है।

यह बात, मुरैना-श्योपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर ने शुक्रवार को जौरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क के दौरान हुई नुक्कड़ सभाओं में कहीं।

प्रत्याशी श्री तोमर ने शुक्रवार को सुबह 10 बजे पारि का पुरा गांव से जनसंपर्क अभियान शुरू किया। जिसके बाद वे घूंघस, रेठापुरा, डंगरियापुरा, बैजनाथ का पुरा, नरहेला, पातरीपुरा, बुरावली, काशीपुर, मजरा, छड़ेह, घाड़ौर, परसोटा, बलानपुर, टिकटौली, भगतपुरा, नयापुरा, पंछीपुरा, अगरौता और मुंद्रावजा गांवों में पहुंचें। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि मप्र एवं केन्द्र की भाजपा सरकारों ने सभी वर्ग के लोगों के कल्याण को योजनाएं शुरू की है। आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, उज्जवला योजना, लाड़ली बहना, पीएम आवास योजनाओं से किसान, युवाओं, महिलाओं को लाभ मिल रहा है। प्रत्याशी श्री तोमर ने ग्रामीण मतदाताओं से कहा कि विकास कार्यों की गति को बरकरार रखने के लिए वे 07 मई को कमल के फूल का बटन दबाकर पीएम नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूती देने का काम करें।

जनसंपर्क के दौरान उनके साथ पूर्व विधायक अजब सिंह कुशवाह, जौरा नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उर्मिला त्यागी, पूर्व नपाध्यक्ष प्रकाश त्यागी, जिपं उपाध्यक्ष बनवारीलाल धाकड़, जिला उपाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, जिला पंचायत सदस्य देशराज कुशवाह, मंडल अध्यक्ष मयंक त्यागी, आशाराम कुशवाह, मेवाराम कुशवाह आदि शामिल थे।

2002 के उप चुनाव की तरह गुना लोकसभा का चुनाव इस बार भी नीरस नजर आ रहा है

2002 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस प्रत्याशी यादवेन्द्र सिंह के पिता को 4 लाख से अधिक मतों से हराया था

-अशोक कोचेटा-

शिवपुरी। गुना-शिवपुरी-अशोकनगर लोकसभा के 2002 के उप चुनाव और वर्तमान 2024 के लोकसभा चुनाव में साम्यता नजर आ रही है। 2002 में इस संसदीय क्षेत्र से वर्तमान नागरिक उड्डयन मंत्री और भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े थे और उस चुनाव में उनका सामना वर्तमान कांग्रेस प्रत्याशी राव यादवेन्द्र सिंह के पिता राव देशराज सिंह यादव से हुआ था जो भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में थे। यह चुनाव इतना इकतरफा रहा था कि अपने पिता के निधन के बाद पहली बार चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया चार लाख से अधिक मतों से विजयी हुए थे। इस संसदीय क्षेत्र से अभी तक 6 बार राजमाता विजया राजे सिंधिया, चार बार उनके सुपुत्र माधवराव सिंधिया और चार बार ज्योतिरादित्य सिंधिया विजयी हो चुके हैं, लेकिन 2002 में जीत का अंतर सर्वाधिक ज्योतिरादित्य सिंधिया के पक्ष में रहा था। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कमोबेश लगभग ऐसी ही स्थिति नजर आ रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया का मुकावला राव देशराज सिंह यादव के सुपुत्र राव यादवेन्द्र सिंह से हैं। यह बात अलग है कि इस बार पाले बदले हुए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा प्रत्याशी के रूप में और यादवेन्द्र सिंह कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। 2002 में स्व. माधवराव सिंधिया के निधन के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया के पक्ष में सहानुभूति लहर थी वहीं 2024 में पिछले चुनाव में सिंधिया की पराजय हुई थी जिससे इस बार उनके पक्ष में किचिंत सहानुभूति की लहर इसलिए भी नजर आ रही है क्योंकि विजयी प्रत्याशी डॉ. केपी यादव जनअपेक्षाओं की कसौटी पर खरे नहीं उतरे थे।

2001 में हवाई दुर्घटना में स्व. माधवराव सिंधिया के निधन के बाद गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र में उप चुनाव की स्थिति बनी थी। तब ज्योतिरादित्य सिंधिया राजनीति में नहीं थे और पहली बार वह उप चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरे थे। स्व. माधवराव सिंधिया के असमायिक निधन के कारण उप चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया के पक्ष में सहानुभूति का वातावरण था। इलाके में सिंधिया राजपरिवार की प्रतिष्ठा इस हद तक थी कि उसके उसके सदस्य किसी भी राजनैतिक दल यहां तक कि निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ते तो विजयश्री का वरण करते थे। भाजपा ने वह उप चुनाव हताशा की स्थिति में लड़ा था और राव देशराज सिंह यादव को उम्मीदवार बनाया था। देश में भाजपा की सत्ता होने के बावजूद भाजपा उम्मीदवार को उस चुनाव में शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा था। मुकावला पूरी तरह से एकतरफा था और जिसका चुनाव परिणाम उप चुनाव घोषित होने के बाद ही स्पष्ट हो गया था। सूत्र बताते है कि उस उप चुनाव में महल समर्थक भाजपाईयों ने भी खुलकर ज्योतिरादित्य सिंधिया का समर्थन किया था। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी ऐसी ही स्थिति बनती नजर आ रही है। 2019 में ज्योतिरादित्य सिंधिया राज परिवार के प्रभाव के बावजूद मोदी लहर से पराजित हुए थे। लेकिन अब ज्योतिरादित्य सिंधिया खुद मोदी लहर पर सवार हैं। इस संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में से 6 भाजपा के पास है जबकि कांग्रेस के पास केवल अशोक नगर और बामौरी विधानसभा सीटें हैं। विधानसभा चुनाव के पहले जिन भाजपा नेताओं का कांग्रेस में जाने का सिलसिला शुरू हुआ था वह न केवल थमा है बल्कि जो भाजपा नेता कांग्रेस में गए थे उनकी वापसी भी तेजी से शुरू हो गई है। भाजपा में आने वाले नेताओं में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेन्द्र जैन गोटू, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बैजनाथ सिंह यादव, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष राकेश जैन आमोल और राकेश गुप्ता, पूर्व जनपद अध्यक्ष पारम रावत, पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला, पूर्व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र जैन भोला, पूर्व पार्षद बृजेश जैन आदि शामिल हैं। इसके अलावा कई कांग्रेस नेता भी भाजपा में आने की कतार में हैं। भाजपा में आने वाले इन सभी नेताओं ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति अपनी आस्था को खुलकर व्यक्त किया है। चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनका परिवार जमकर मेहनत कर रहा है। श्री सिंधिया 3 से 4 बार संसदीय क्षेत्र का मैराथन दौरा कर चुके हैं। उनकी धर्मपत्नि प्रियदर्शनी राजे और सुपुत्र महाआर्यमन सिंधिया भी पूरी तनमयता से चुनाव प्रचार में जुटे हैं तथा मतदाताओं से वह जीवंत संपर्क कर रहे हैं। प्रियदर्शनी राजे छोटे-छोटे बच्चों के साथ कैरम खेल रहीं है वहीं महाआर्यमन दलित और आदिवासी घरों में जाकर भोजन कर रहे हैं। श्री सिंधिया ने प्रचार में पूरी भाजपा को लगा दिया है। जबकि दूसरी ओर कांग्रेस में हताशा का बातावरण बना हुआ है। कांग्रेस प्रत्याशी यादवेन्द्र सिंह अभी एक बार भी पूरा संसदीय क्षेत्र नहीं घूमे हैं। उनका परिवार भी उनका साथ नहीं दे रहा। उनकी माँ बाई साहब यादव और भाई अजय यादव अभी भाजपा में बने हुए हैं। कांग्रेस कार्र्यकर्ता भी प्रचार से दूरी बनाए हुए हैं। कार्यकर्ताओं की टोली जनसंपर्क नहीं कर रही है। इससे यह चुनाव अभी नीरसता से उभर नहीं पाया है।

सिंधिया स्कूल दुर्ग पर अंडर 17 क्रिकेट मैच आज से, सभी तैयारियां पूर्ण

ग्वालियर। सिंधिया स्कूल में इंडियन पब्लिक स्कूल कॉन्फ्रेंस (आईपीएससी) के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों का क्रिकेट टूर्नामेंट 27 अप्रैल से 2 मई तक सिंधिया स्कूल दुर्ग पर आयोजित किया गया है।

शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये सिंधिया स्कूल दुर्ग की उप प्राचार्य श्रीमती स्मिता चतुर्वेदी ने बताया कि टूर्नामेंट में देशभर से 17 विद्यालयों के अंडर 17 के छात्रों के साथ मेजबान सिंधिया स्कूल की टीम भी भाग लेंगी। श्रीमती स्मिता चतुर्वेदी ने बताया कि शनिवार से प्रारंभ होने वाले इन मैचों का फाइनल 2 मई को विद्यालय के माधव ग्राउंड में खेला जाएगा। विभिन्न मैचों के लिए सभी मैच 20-20 ओवर के होंगे।

विद्यालय के तीन क्रिकेट फील्ड का चयन किया गया है जिसमें पहले दो दिन तीन-तीन मैच खेले जाएंगे। ये उन्होंने बताया कि देशभर से आने वाली टीमों को दुर्ग स्थित स्कूल पर ही ठहराया जायेगा। इस बार मैचों का फिक्सर पारंपरिक रूप से न होकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा निर्धारित किया जाएगा। इन मैचों से सर्वश्रेष्ठ 16 खिलाड़ियों को इंडियन पब्लिक स्कूल कॉन्फ्रेंस की ओर से स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित नेशनल गेम्स के लिए चुना जाएगा। इसमें इंडियन पब्लिक स्कूल कॉन्फ्रेंस की ओर से मध्य प्रदेश क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अम्पायरों को खेल के निर्णायक मंडल के रूप में आमंत्रित किया गया है। पत्रकार वार्ता में कर्नल रिटायर्ड डीके परसवाल, मंदार शर्मा मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा आदि मौजूद थे।

94 वर्षीय वृद्ध मानकचंद ने लोकसभा चुनाव के लिए बेलेट पेपर से किया मतदान

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किए मतदान दल

ग्वालियर। जीवन के 94 बसंत देख चुके मानकचंद ने यूँ तो कई बार अपने मताधिकार का उपयोग किया। पर ज्यादातर मतदान केन्द्र पर जाकर वोट डाले। इस बार उन्हें थोड़ी चिंता थी कि अगर किसी का सहारा नहीं मिला तो कैसे वोट डालेंगे। उनके इस असमंजस को भारत निर्वाचन आयोग ने दूर कर दिया। शुक्रवार को घासमंडी ग्वालियर स्थित उनके घर पर मतदान दल पहुँचा और विधिवत बूथ बना दिया। फिर क्या मानकचंद ने खुशी-खुशी वोट डालकर अपने मताधिकार का उपयोग किया।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट से मतदान सामग्री प्रदान कर मतदान दलों को विशेष वाहनों द्वारा घर-घर वोट डलवाने के लिए रवाना किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने हरी झण्डी दिखाकर मतदान दल रवाना किए। ज्ञात हो बुजुर्गों व दिव्यांगों से घर-घर जाकर वोट डलवाने के लिये जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 120 रूट निर्धारित किए गए हैं। इसकी जानकारी सभी प्रत्याशियों को दी गई है। घर-घर वोट डलवाने के लिए 26 अप्रैल से शुरू हुआ प्रथम चरण 27 अप्रैल को भी जारी रहेगा। यदि कोई बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता घर पर नहीं मिलता है तो द्वितीय चरण में 28 अप्रैल को मतदान दल उनके घर पर वोट डलवाने पहुँचेंगे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण श्रीमती अंजू अरूण कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन, एआरओ अतुल सिंह एवं डाक मतपत्र प्रभारी व एसडीएम मुरार अशोक चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सभी घरों से प्रतिदिन शतप्रतिशत कचरा संग्रहित हो: अपर आयुक्त

ग्वालियर। शहर के सभी घरों से प्रतिदिन कचरा संग्रहित हो तथा कोई भी सडक पर कचरा न फेंके यह सुनिश्चित करें की किस घर से कचरा नहीं मिलता है और यदि वह सड़क पर कचरा फेंकते हैं तो उनके खिलाफजुर्माने की कार्यवाही करें। इसके लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन के सुपरवाइजर एवं डब्ल्यूएचओ जिम्मेदार हैं। वह निरंतर गाडी के साथ क्षेत्र में निगरानी करें तथा क्षेत्र में कहीं भी कचरा ठिया न बनें इसका ध्यान रखें। यह निर्देश अपर आयुक्त विजय राज ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत आयोजित डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन के ड्राइवर, हेल्पर, सुपरवाइजर, डब्ल्यूएचओ, जेडएचओ, एएचओ एवं स्वास्थ्य अधिकारी की कार्यशाला के दौरान दिए। स्वच्छता कार्यशाला के दौरान अपर आयुक्त विजय राज ने स्वच्छता कार्य में लगे सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को मिलकर एवं आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारी के बारे में अवगत कराया गया। कार्यशाला के दौरान उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता ने सभी कर्मचारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत हमें किस प्रकार कार्य करना है। इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में कार्यपालन यंत्री वर्कशॉप श्रीकांत कांटे एवं मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. अनुज शर्मा ने सर्वेक्षण के दौरान किस प्रकार से कार्य करना है इसकी जानकारी दी। कार्यशाला में नोडल अधिकारी डिपो शैलेंद्र सक्सैना, स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी, किशोर चौहान, अजय ठाकुर, दीपेन्द्र सेंगर सहित सभी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने पानी की समस्या को हल करने के लिया किया निरीक्षण

ग्वालियर। निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने शहर की सफाई व्यवस्था जांचने के लिए कंट्रोल कमांड सेंटर से सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने गोपाचल पर्वत, गैंडेवाली सड़क, अमेठी यूनिवर्सिटी और दीनदयाल नगर में भी विभिन्न समस्याओं को लेकर निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने कंट्रोल कमांड सेंटर से शहर में कचरा कलेक्शन कर रहे सभी वाहनों की मॉनिटरिंग की। इस दौरान उन्हें कुछ गाड़ियां अपने पॉइंट पर खड़ी दिखी तो उन्होंने तत्काल ड्राइवर से बात कर खड़े होने का कारण पूछा। साथ ही तेज गति से सफाई करने के निर्देश कर्मचारियों को दिए। इसके बाद उन्होंने गोपाचल पर्वत पर रात में लगी आग वाली जगह का निरीक्षण किया। निगमायुक्त ने पानी की समस्या को लेकर गेंडेवाली सड़क का निरीक्षण भी किया। वहां पर उन्होंने पानी की समस्या को लेकर आमजनों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में पानी लीकेज की समस्याओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर व एसपी चौपाल लगाकर ग्रामीणों से हुये रूबरू, बताईं मतदान की बातें

भयमुक्त होकर करें मतदान, प्रशासन आपके साथ है

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 को ध्यान में रखते हुये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना व पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने शुक्रवार को मुरैना जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत जारह और नायकपुरा में पहुंचकर ग्रामीणों के बीच बैठकर चौपाल लगाई। ग्रामीणजनों को आश्वस्त किया कि भयमुक्त होकर 7 मई को मतदान करें,प्रशासन आपके साथ है। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, जनपद सीईओ मुरैना महावीर प्रसाद जाटव सहित अन्य स्वीप से जुड़े अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित थे।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने जारह और नायकपुरा में ग्रामीणों के बीच बैठकर उन्हें समझाईश दी, कि सभी मतदाता मतदान अवश्य करें।उन्होंने कहा कि बिना प्रलोभन के शत-प्रतिशत मतदान करें, अगर कोई दबाव बनाता है, किसी के पक्ष में मतदान करने के लिये कहता है, तो मतदान केन्द्र पर अधिकारियों से लेकर पंचायत सचिव तक नाम, मोबाइल नंबर लिखवाये जा चुके है। सभी लोग उन नंबरों पर फोन करके सूचित कर सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि मतदान के समय पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा, सभी मतदान केन्द्रों पर आवश्यकतानुसार सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये जायेंगे। सभी लोग निडर होकर मतदान जरूर करें। मतदान का आपका अधिकार है, किसी के दबाव में मतदान न करें।

जिले में होगा आज वॉकथोन का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान का प्रतिशत बढ़े, इसके लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार जिला सीईओ डॉ. इच्छित गढ़पाले के मार्गदर्शन में खेल विभाग द्वारा वॉकथोन का आयोजन 27 अप्रैल को किया जायेगा।

वॉकथोन का आयोजन प्रातः 8:30 बजे बिस्मिल संग्रहालय से प्रारंभ होकर हनुमान चौराह, रूई की मंडी, महामाया रोड़, जीवाजीगंज टाउनहॉल होते हुये संग्रहालय पर समापन होगा।

कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर, परियोजना समन्वयक महिला बाल विकास, जिला शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य, खेल विभाग, पीजी कॉलेज, आजीविका मिशन, नेहरू युवा केन्द्र, संबंधित जनपद, सामाजिक संस्थायें उपस्थित रहेंगी।

कैलारस पुलिस के हत्थे चढ़ा शराब तस्कर, माल बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में अवैध शराब / माद्यक पदार्थों की तस्करी करने वालों, विक्रय करने वालों एवं अवैध शराब का भण्डारण करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अवैध शराब के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन व एसडीओपी कैलारस रवि सोनेर के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 26.04.2024 को थाना प्रभारी कैलारस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक लाल रंग की क्रिड कार सबलगढ़ तरफ से 10 पेटी अवैध शराब लेकर ग्राम पचेखा तरफ लोकसभा चुनाव में खपाने के उद्देश्य से डम्प करने के लिए ले जाई जा रहा है। मुखबिर की उक्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए नैपरी तिराहे पर जाकर सबलगढ़ तरफ से आने वाले वाहनों की चैकिंग शुरु की तभी करीबन 10 मिनट बाद एक लाल रंग की क्रिड कार क्र. यूपी 85 बीसी 9615 आती हुई दिखाई दी, जिसे चैकिंग में तैनात पुलिस बल की मदद से रोकने का प्रयास किया गया तो नहीं रुकी एवं कार का चालक कार को नैपरी गांव तरफ से बृजगढ़ी रोड पर भगाकर ले जाने लगा, जिसे हमराही फोर्स की मदद से पीछा करते हुये रेल्वे ब्रिज के पास ओवरटेक करके पकड़ा। बाद कार चालक को कार से उतारकर नाम पता कर उक्त कार की तलाशी ली तो पीछे वाली लंबी सीट के ऊपर एवं नीचे 10 खाकी रंग के कार्टून रखे पाये गये, जिन्हें समक्ष पंचान खोलकर चैक किया, तो प्रत्येक कार्टून 50-50 क्वार्टर देशी मदिरा प्लेन के रखे हुई पाये गये। जिसके प्रत्येक क्वार्टर पर 180 एमएल शराब होना लेख है। उक्त शराब के संबंध में कार चालक से वैध लाइसेंस चाहा गया तो उसके द्वारा कोई कागजात न होना बताया आरोपी का कृत्य धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से उक्त 10 पेटी मदिरा प्लेन मात्रा (90 बल्क लीटर) कीमती करीबन 50000 /- रुपये एवं लाल रंग की क्रिड कार क्रमांक यूपी 85 बीसी 9615 कीमतों करीबन 450000/- रुपये इस प्रकार कुल मशरूका कीमती करीबन 500000/- रूपये का मौके पर समक्ष पंचान विधिवत जप्त आरोपी को गिरफ्तार कर थाना वापसी पर उक्त आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबंद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अभ्यर्थी अपने अस्थाई कार्यालय में एक झण्डा और एक बैनर ही लगा सकेंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के मुताबिक चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान स्थानीय स्तर पर खोले जाने वाले अस्थाई कार्यालय में केवल एक झण्डा और 4 गुना 8 फीट के आकार का एक बैनर ही लगा सकेंगे। अभ्यर्थियों को ऐसे अस्थाई कार्यालय खोलने के पहले विधिवत अनुमति भी प्राप्त करनी होगी।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक अभ्यर्थियों को अस्थाई कार्यालय की अनुमति इस आधार पर दी जा सकेगी कि ऐसा कार्यालय सार्वजनिक या निजी सम्पत्ति पर अतिक्रमण कर नहीं खोला जायेगा। अस्थाई कार्यालय किसी भी धार्मिक स्थान या धार्मिक स्थल के परिसर तथा शैक्षणिक संस्थान और अस्पतालों में भी नहीं खोला जा सकेगा। उम्मीदवार अपना अस्थाई कार्यालय मौजूदा मतदान केन्द्रों से 200 मीटर के दायरे में भी नहीं खोल सकेंगे। निर्वाचन आयोग के मुताबिक अस्थाई कार्यालय में लगाये जाने वाले झण्डे और बैनर में अभ्यर्थी केवल पार्टी का प्रतीक अथवा फोटोग्राफ ही लगा सकेगा।

कैलारस पुलिस ने पकड़ी 1 लाख 50 हजार रुपये की अवैध शराब

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में अवैध शराब / माद्यक पदार्थों की तस्करी करने वालों, विक्रय करने वालों एवं अवैध शराब का भण्डारण करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अवैध शराब के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुरैना डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन व एसडीओपी कैलारस रवि सोनेर के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 26.04.2024 को थाना प्रभारी कैलारस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक नीले रंग का फार्म ट्रेक कम्पनी का ट्रेक्टर जिसमें एक ट्रॉली लगी है जिस पर सिकरवार कृषि फार्म पचेखा लेख है जो सबलगढ़ तरफ अवैध शराब भरकर पचेखा गावं ला रहा था, जिसे नैपरी के पास पुलिस की सूचना प्राप्त होने पर ट्रेक्टर का ड्राइवर उक्त ट्रेक्टर को जयरामपुरा रोड पर ले गया है। उक्त मुखबिर सूचना की तस्दीक हेतु उनि संतोष बाबू गौतम मय पुलिस फोर्स द्वारा बाद स्वाना होकर मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचे तो ग्राम जयरामपुरा निकलने के बाद ग्राम जयरामपुरा से ग्राम तोर जाने वाले कच्ची वा सूनसान रोड पर समय करीबन 09.15 बजे एक नीले रंग का फार्मट्रेक टेक्टर मय ट्राली मुखबिर के बताये अनुसार जाता दिखा। ट्रेक्टर को एक व्यक्ति चला रहा था एवं एक व्यक्ति उसके बगल वाली सीट पर बैठा था, जो पीछे से पुलिस की गाड़ी को आता देखकर ट्रेक्टर को और तेज भगाते हुये कच्चे रास्ते के बगल में ट्रेक्टर-ट्रॉली को खेत में छोड़कर भागने लगा, जिनमें से ट्रेक्टर चला रहे व्यक्ति को हमराही प्रधान आरक्षक श्यामवीर सिंह द्वारा लल्ला उर्फ रामकुमार सिह सिकरवार पुत्र रामलखन सिह सिकरवार निवासी पचेखा के रुप में पहचान करना बताया। बाद उक्त दोनों भागे हुये व्यक्तियों का हमराही फोर्स के साथ काफी पीछा किया एवं तलाश की लेकिन सूनसान एवं जंगल झाड़ियों का फायदा उठाकर दोनों व्यक्ति भाग गये। बाद नीले रंग के फार्मट्रक कम्पनी के ट्रेक्टर जिस पर रजिस्ट्रेशन नम्बर अंकित नही है एवं ट्रेक्टर के गियर के पास बाड़ी पर लगी प्लेट पर FT-45 LMX, T-2221808, E-2225149 गुदा होकर अंकित है एवं उसमें लगी ट्रॉली जिस पर बायीं तरफ सिकरवार कृषि फार्म पचेखा एवं बीच मे उद्योग इण्ड. राठौर अम्बाह लिखा है। ट्रॉली के अन्दर खाकी रंग के कुल 30 कार्टून रखे मिले, जिन्हे खोलकर चैक किया तो 24 कार्टूनों मे देशी मदिरा मसाला एवं 6 कार्टूनो म देशी मदिरा प्लेन होना पाई गई। प्रत्येक कार्टून में 50-50 क्वार्टर एवं प्रत्येक क्वार्टर मे 180 एमएल शराब होना पाया गया। बाद उक्त शराब व ट्रेक्टर के संबंध मे मौके पर कोई वैध कागजात होना नही पाया जाने से मौके से भागे हुए आरोपी लल्ला उर्फ रामकुमार सिह सिकरवार पुत्र रामलखन सिह सिकरवार निवासी पचेखा व एक अज्ञात आरोपी का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से उक्त 30 कार्टून देशी शराब मात्रा 270 बल्क लीटर कीमती करीबन 150000 /- रुपये व नीले रंग का फार्मट्रेक कम्पनी का ट्रेक्टर मय ट्रॉली कीमती करीबन 400000 /- रुपये को मौके पर समक्ष पंचान विधिवत जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबंद्ध कर विवेचना में लिया गया।

23 को होनी थी शादी, दिल्ली के निजामुद्दीन स्टेशन से हुआ गायब

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दिल्ली से मुरैना स्थित अपने घर आने के लिए निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर पहुंचा युवक अचानक लापता हो गया। युवक के फुटेज निजामुद्दीन स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए है। जिनके आधार पर जीआरपी पुलिस दिल्ली ने उसकी गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। लापता युवक की 23 अप्रैल को शादी होने वाली थी।

मिली जानकारी के मुताबिक मुरैना शहर के इस्लामपुरा निवासी ग्यासीराम पुत्र पातीराम का पुत्र भूपेन्द्र सिंह (23) दिल्ली में रहकर लस्सी की रेहड़ी लगाता था। भूपेन्द्र दिल्ली के सुभाष नगर इलाके में रहता था। भूपेन्द्र के पिता ग्यासीराम ने जीआरपी को बताया कि 23 अप्रैल को भूपेन्द्र की शादी होना तय हुआ था। जिसके लिए 15 अप्रैल को उनका पुत्र भूपेन्द्र दिल्ली से मुरैना आने के लिए अपने घर से रवाना हुआ था। भूपेन्द्र ट्रेन पकड़ने के लिए निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचा था। जब 17 अप्रैल तक भूपेन्द्र मुरैना स्थित अपने घर नहीं पहुंचा तो परिजन ने उसकी तलाश की। परिजन दिल्ली पहुंचे और निजामुद्दीन स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई। जिनमें भूपेन्द्र स्टेशन के प्लेटफॉर्म-2 पर दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जीआरपी दिल्ली ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं भूपेन्द्र के लापता होने के बाद वर-वधु पक्ष के लोगों ने शादी को कैंसल कर दिया है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।